दैनिक

प्रातः कालीन

भारत सरकार से रजिस्टर्ड

हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO- UPBIL/2021/83001

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

KNLS Live

सम्पर्क करें:9027776991

न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999' में

न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दाम में

वर्ष :- 03 अंक :- 106 मुरादाबाद, 04 August 2023 (Friday) पृष्ठ :- 12 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

कांग्रेस की तारीफ, केजरीवाल की खिंचाई... अमित शाह बोले- बंगले का भ्रष्टाचार छिपाना चाहती है AAP

लोकसभा में गुरुवार को दिल्ली सेवा विधेयक पर बहस हुई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विधेयक पर सरकार का पक्ष रखा। शाह ने कहा कि पंडित नेहरू ने भी दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का विरोध किया था। इसके अलावा शाह ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल पर निशाना भी साधाराष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक, 2023 पर आज लोकसभा में बहस हुई। गृह मंत्री अमित शाह ने इस विधेयक पर अपना जवाब रखा। इस दौरान शाह ने दिल्ली में अपने शासनकाल के दौरान कांग्रेस की तारीफ की, वहीं सीएम अरविंद के जरीवाल की जमकर खिंचाई की। शाह ने कहा कि यह अध्यादेश सुप्रीम कोर्ट के आदेश को संदर्भित करता है, जो कहता है कि संसद को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली से संबंधित किसी भी मुद्दे पर कानून बनाने का अधिकार है।

दिल्ली को लेकर कांग्रेस-बीजेपी में नहीं हुई लड़ाई

शाह ने आगे कहा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी (AAP) की सरकार से पहले कांग्रेस और बीजेपी की सरकार भी रही है। ऐसा भी रहा कि जब केंद्र में कांग्रेस तो दिल्ली की सत्ता पर बीजेपी काबिज थी। वहीं, कभी केंद्र पर बीजेपी तो दिल्ली में कांग्रेस का शासन था। उस वक्त कभी भी दिल्ली के अधिकारों को लेकर बीजेपी और कांग्रेस के बीच झगड़ा नहीं हुआ।साल 2015 में दिल्ली में एक ऐसी पार्टी सत्ता में आई जिसका मकसद सिर्फ लड़ना था, सेवा करना नहीं। समस्या ट्रांसफर पोस्टिंग करने का अधिकार हासिल करना नहीं, बल्कि अपने बंगले बनाने जैसे भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए सतर्कता विभाग पर कब्जा करना है।

ना करें ऐसी राजनीति- शाह

गृह मंत्री ने आगे कहा कि मेरा सभी पक्ष से निवेदन है कि चुनाव जीतने के लिए किसी पक्ष का समर्थन या विरोध करना, ऐसी राजनीति नहीं करनी चाहिए। नया गठबंधन बनाने के अनेक प्रकार होते हैं। विधेयक और कानून देश की भलाई के लिए लाया जाता है, इसलिए इसका विरोध और समर्थन दिल्ली की भलाई के लिए करना चाहिए।

ज्ञानवापी मामला: हिंदू पक्ष ने SC में दाखिल की कैविएट अर्जी, HC ने मुस्लिम पक्ष की याचिका की थी खारिज

उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर-ज्ञानवापी परिसर मामले में गुरुवार को नया मोड़ आया। बता दें कि हिंदू याचिकाकर्ताओं में से एक ने सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को एक कैविएट अर्जी दायर की। वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर-ज्ञानवापी परिसर मामले में हिंदू याचिकाकर्ताओं में से एक ने सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को एक कैविएट अर्जी दायर की। इस अर्जी के जरिए सुप्रीम कोर्ट में आग्रह किया गया कि अगर मुस्लिम पक्ष एएसआई को सर्वे को संचालन करने की अनुमति देने वाले हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ याचिका दायर करता है तो बिना उनका पक्ष सुने कोई भी आदेश पारित नहीं किया जाए। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की याचिका की थी खारिज,हिंदू याचिकाकर्ताओं में से एक ने किया सुप्रीम कोर्ट का रुख,ज्ञानवापी मामले को लेकर पहले ही हिंदू पक्ष ने दाखिल की कैविएट अर्जी दरअसल, ज्ञानवापी परिसर मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले के बाद सर्वे का रास्ता साफ हो गया। ऐसे में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) ज्ञानवापी परिसर में सर्वे कर सकती है। कैविएट अर्जी दाखिल- इसी बीच हिंदू याचिकाकर्ताओं में से एक ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट का रुख करते हुए पहले ही एक कैविएट अर्जी दाखिल कर दी। इस अर्जी के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट में आग्रह किया गयाअगर मुस्लिम पक्ष एएसआई को सर्वे को संचालन करने की अनुमति देने वाले हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ याचिका दायर करता है तो बिना उनका पक्ष सुने कोई भी आदेश पारित नहीं किया जाए।क्या है कैविएट अर्जी? सनद रहे कि एक वादी द्वारा कैविएट अर्जी यह सुनिश्चित करने के लिए दाखिल की जाती है कि बिना सुने उसके खिलाफ कोई प्रतिकूल आदेश पारित न किया जाए। मामले में अबतक क्या कुछ हुआ?- वाराणसी के जिला जज ने 21 जुलाई को ज्ञानवापी परिसर में वजूखाना व शिवलिंग छोड़कर अन्य क्षेत्र के एएसआइ सर्वे का निर्देश दिया था। इसके खिलाफ मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। जिसपर पर सुप्रीम कोर्ट ने 24 जुलाई को एएसआई सर्वे पर 26 जुलाई तक रोक लगाते हुए इलाहाबाद हाई कोर्ट जाने की सलाह दी थी।

राष्ट्रपति मुर्मू पहुंची भोपाल, उत्कर्ष-उन्मेष कार्यक्रम का किया शुभारंभ

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का आज राजधानी भोपाल के दौरे पर हैं। वह रविंद्र भवन में उत्कर्ष-उन्मेष कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगी। राज्यपाल मंगूभाई पटेल और सीएम शिवराज भी इस मौके पर मौजूद रहेंगे।संयोग से ये मेरी मध्यप्रदेश की पांचवी यात्रा है- मेरी सब से अधिक यात्राएं मध्यप्रदेश में हुई हैं। संयोग से ये मेरी एमपी की पांचवी यात्रा है। मैं प्रदेश के 8 करोड़ वासियों को धन्यवाद देती हूं। इस कार्यक्रम के लिए मैं प्रदेश सरकार की प्रशंसा करती हूं। इस वर्ष जी-20 सम्मेलन की अध्यक्षता का दायित्व भारत को दिया गया है। उन्मेष का अर्थ आंखों का खुलना भी है और फूलों का खिलना भी। 19वीं सदी में नव जागरण की धाराएं प्रभावित हुईं, जो कि 20वीं सदी तक जारी रहीं। भारतीय गौरव को शौर्य देने वाले कई रचनाकारों का योगदान रहा है। सभी भाषाएं और बोलियां मेरी अपनी हैं। भारत के साहित्य का अन्य भाषाओं में अनुवाद होने पर ये और समृद्ध हो सकेगा। उत्कर्ष कार्यक्रम के आयोजन के लिए मैं आयोजकों को शुभकामनाएं देती हैं। भारत में 700 से ज्यादा कम्युनिटी के आदिवासी निवास करते हैं, लेकिन उनकी भाषाएं 700 से भी ज्यादा है। उन्हें संजोकर रखना हम सभी का कर्तव्य है। जनजातीय भाषा और संरक्षण को संजोकर रखना हमारा कर्तव्य है। मध्यप्रदेश में आदिवासियों की बड़ी आबादी रहती हैं। यहां ऐसे कार्यक्रम का आयोजन होना तर्क संगत है। मैंने छत्तीसगढ़ की पंडवानी गायिका तीजन बाई को पद्मश्री सम्मान से सम्मानित किया गया था। तीजनबाई का सम्मान जनजातीयों का सम्मान तो है ही ये सभी बहनों का सम्मान है। एक भारत श्रेष्ठ भारत बनाने की पहल- राज्यपाल- उन्मेष के दौरान जनजातीय कवि, लेखक सम्मेलन और गीत के सत्रों का आयोजन किया जा रहा है। उन्मेष और उत्कर्ष का आयोजन एक भारत श्रेष्ठ भारत को बनाने की पहल है। भारत की भाषाएं, भौगोलिक विविधता ने इसे सभी से अलग बनाया है। मध्यप्रदेश साहित्य और कलाकारों की प्रिय भूमि रही है हमारे देश में मूलभूत एकता है। उन्मेष और उत्कर्ष के रूप में हमारे कलाकार कुछ बेहतर लेकर आते हैं। ऐसे आयोजन सारी दुनिया को इकट्ठा करने का काम करते हैं। मध्यप्रदेश कला और संगीत की संगम स्थली रही है। ये साहित्यकारों और कलाकारों की प्रिय भूमि रही है। राजशेखर, भृर्तहरि, कालिदास, बिहारी जैसे रत्न हुए हैं।इनका नाम लेकर मैं गर्व महसूस कर रहा हूं। लता मंगेशकर, किशोर कुमार जैसे कलाकार भी इस धरती से हैं। अटल बिहारी वाजपेयी की भी कर्मस्थली ये रही है। साहित्य, कला और संगीत में वो ताकत है कि पूरी दुनिया को एक रख सके।

सीएम शिवराज बोले- कला और संगीत सुख देता है

सीएम शिवराज ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि संपूर्ण देश का साहित्य जगत यहां विविधता के साथ उपस्थित है।

मैं सभी का स्वागत करता हूं। भारत प्राचीन देश है। दुनिया के विकसित देशों में जब सभ्यता का सूर्योदय नहीं हुआ था, तब हमारे देश में वेदों की रचना हो चुकी थी। ये वो धरती है जिसने समस्त विश्व को वसुधैव कुटुंबकम का संदेश दिया। यहां का बच्चा-बच्चा सबके मंगल की कामना करता है। मनुष्य को संपूर्ण रूप से सुखी करना है तो मन, बुद्धि और आत्मा का सुख भी चाहिए। मन, बुद्धि और आत्मा का सुख साहित्य, कला और संगीत देता है।

लंबे समय तक शारीरिक संबंध बनाने के बाद महिलाएं दर्ज करा रहीं FIR: इलाहाबाद HC की टिप्पणी

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वाराणसी के ओम नारायण पांडेय की जमानत अर्जी पर टिप्पणी करते हुए कहा कि महिलाओं को कानूनी संरक्षण प्राप्त है। वह पुरुषों को आसानी से फंसाने में कामयाब हो जाती हैं। समय आ गया है कि अदालतें ऐसे जमानत आवदेनों पर विचार करते समय बहुत सतर्क रहें। प्राथमिकी में कोई भी बेबुनियाद आरोप लगाना और किसी को भी ऐसे आरोपों में फंसाना बहुत आसान है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि महिलाओं को कानूनी संरक्षण प्राप्त है। वह पुरुषों को आसानी से फंसाने में कामयाब हो जाती हैं, अदालतों में बड़ी संख्या में इस तरह के मामले में आ रहे हैं, जिनमें लड़कियां या महिलाएं आरोपित के साथ लंबे समय तक शारीरिक संबंध बनाने के बाद झूठे आरोपों पर प्राथमिकी दर्ज कराकर अनुचित लाभ उठाती हैं। कोर्ट ने कहा, ऐसे मामलों में न्यायिक अधिकारियों को सतर्क रहना चाहिए। वे जमीनी हकीकत पर नजर रखें और उचित फैसला लें।

वाराणसी के शख्स की जमानत अर्जी पर टिप्पणी

यह टिप्पणी न्यायमूर्ति सिद्धार्थ ने वाराणसी के ओम नारायण पांडेय की जमानत अर्जी पर की है। कोर्ट ने कहा कि समय आ गया है कि अदालतें ऐसे जमानत आवदेनों पर विचार करते समय बहुत सतर्क रहें। कानून पुरुषों के प्रति बहुत पक्षपाती है। प्राथमिकी में कोई भी बेबुनियाद आरोप लगाना और किसी को भी ऐसे आरोपों में फंसाना बहुत आसान है। कहा, इंटरनेट मीडिया, फिल्मों, टीवी शो आदि के माध्यम से खुलेपन का फैशन या चलन फैल रहा है। इसका अनुकरण किशोर लड़के और लड़कियां कर रहे हैं।

लंबे समय तक लिव-इन रिलेशनशिप में रहने के बाद...

भारतीय सामाजिक और पारंपरिक मानदंडों के विपरीत और लड़की के परिवार के सम्मान और लड़की के सम्मान की रक्षा के नाम पर दुर्भावनापूर्ण रूप से झूठी एफआईआर दर्ज की जा रही है। कोर्ट ने कहा कि कुछ समय या लंबे समय तक लिव-इन रिलेशनशिप में रहने के बाद लड़के और लड़की के बीच किसी मुद्दे पर विवाद हो जाता है। पार्टनर का स्वभाव समय के साथ दूसरे पार्टनर के सामने उजागर होता है और जब उन्हें एहसास होता है कि उनका रिश्ता जीवन भर नहीं चल सकता, तो परेशानी शुरू हो जाती है। किशोरों में जागरूकता का स्तर बढ़ाने में इंटरनेट मीडिया, फिल्में आदि का असर और नुकसान अपेक्षाकृत कम उम्र में स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। निर्दोषिता की पारंपरिक धारणा ने मासूमियत के असामयिक नुकसान को जन्म दिया है, जिसके परिणाम स्वरूप किशोरों का अप्रत्याशित विचलित करने वाला व्यवहार सामने आया है। जिस पर कानून ने पहले कभी विचार नहीं किया था। कोर्ट ने कहा, कानून एक गतिशील अवधारणा है और ऐसे मामलों पर बहुत गंभीरता से पुनर्विचार करने की आवश्यकता है।याची के खिलाफ वाराणसी के सारनाथ थाने में यौन उत्पीड़न सहित पॉक्सो के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। आरोप है कि उसने नाबालिग के साथ शादी का वादा कर यौन संबंध बनाए। याची के अधिवक्ता ने कहा कि दोनों ने अपनी मर्जी से संबंध बनाए थे। क्योंकि, पीड़िता द्वारा मजिस्ट्रेट के सामने दिया गया बयान प्राथमिकी के आरोपों का पूरी तरह से समर्थन नहीं करता है।

मुरादाबाद में फटी ई-रिक्शे की बैटरी: अचानक हुए धमाके के बाद इलाके में हड़कंप, पांच लोग गंभीर रूप से झुलसे

मुरादाबाद -सिकोई भूड़ के रहने वाले समीम ने ई रिक्शे की बैटरी को चार्ज करने के लिए लगाया था। बताया जाता है कि कुछ देर बाद ई रिक्शे की बैटरी में जोरदार धमाके हो गया। इससे आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। मुरादाबाद में ई रिक्शे की बैटरी फटने से पांच लोग गंभीर रूप से घालय हो गए। उन्होंने जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

चिकित्सकों ने बताया कि सभी की हालत पहले से बेहतर है।ई-रिक्शे की बैटरी फटने की यह पहली घटना बताई जा रही है।मुरादाबाद के सिकोई भूड़ इलाके में नसीम परिवार के साथ रहते हैं। उनका बेटा समीम ई रिक्शा चलाता है। बताया जाता है कि वीरवार को ई रिक्शे की बैटरी चार्ज पर लगाई गई थी। कुछ देर के बाद उसमें विस्फोट हो गया। इससे आसपास के लोग सकते में आ गए। जब वह मौके पर पहुंचे तो समीम के परिवार के चार लोग झुलसे हुए थे। इसमें तीन बच्चे और उनकी पत्नी शामिल थी। आसपास के लोग सभी को जिला अस्पताल ले आए। जहां उनका उपचार चल रहा है।

संपादकीय Editorial

'Killer guard' in train

Traveling in the train has been considered the safest, comfortable and relaxing. The motto of the Railway Protection Force (RPF) is to 'Enhance safety, security and confidence of passengers in rail travel', but on Monday, July 31, in the 'Jaipur-Mumbai Superfast Express' train, the security personnel The massacre that took place has not only stained the image of the Railways, but has also raised many questions. Is train travel really safe?

An RPF constable killed not only his senior staff but also 3 passengers. The 'killer guard' roamed from bogie to bogie, terrorizing passengers for about 40 minutes before carrying out his rampage. It is not clear at the moment whether his target was only Muslim passengers or he threatened everyone.

Perhaps this fact may come to the fore in the findings of the investigation! RPF has given a quick clarification that he was mentally ill, hence he did this incident. This context and concern is related to hundreds of railway passengers. The average passenger, of course, feels safer with armed security personnel patrolling the train. Passengers can sleep in comfort and peace. There have also been incidents of robbery and dacoity in trains despite patrolling by security personnel, but no one was shot dead in such a public way, in a train full of passengers. The big question is that if the RPF constable was mentally ill, why did the security force depute him on duty, with an assault rifle? Why was he not given proper treatment in the hospital before regular duty? Why was he not sent on leave till he recovered?

All such questions also point towards the careless, blind officers of RPF. They should also be punished. Actually this is not an isolated incident. It has been happening in the camps of soldiers and police personnel that one jawan shot another or committed suicide by shooting himself. Senior officers have also been targeted. Naba Das, the then health minister of Odisha, was shot dead by a policeman last January, using his service revolver.

Even then the killer was labeled as a 'mental patient'. This massacre by an RPF constable in a superfast train is, of course, unprecedented and unexpected. If the reason for the killings is 'communal hatred', then this incident is horrifying and gruesome. This phase is communally heated. Such violence and killings are being done, but the train is a 'national and secular vehicle'. However, the RPF has constituted a committee to investigate, which will submit its report in three months. In the recommendations made by the committee, there should be a suggestion of a government system, which can decide that 'psychotics' will not be sent on duty. RPF works under the Central Act, so it has got enough powers. He can arrest anyone without the order of a Magistrate or the sanction of any competent authority. Commando training is also given to RPF personnel. Despite that RPF has failed to instil confidence in the passengers and staff, so it is imperative to delve into it as the force personnel are the saviors of the people of the country who travel by rail. If the security forces themselves start proving to be predators instead of protectors, then it is a failure of the entire system. The Railway Reforms Committee, headed by Bibek Debroy, had recommended in 2015 that senior railway officials should be free to arrange private security or RPF security for the safety of passengers. The basic concern-the question is that if a security personnel is mentally unwell, then what should be done with him?

Inflammatory speech, if the society does not alert, then even installing CCTV cameras on every corner will not work

Such a message should also go to the society from the Supreme Court that the answer to hatred is hatred and the answer to violence cannot be violence. Everyone has to understand that an atmosphere of peace and harmony is in their own interest and that of the country. If the society is not alert about its moral and civic responsibilities, then even installing CCTV cameras at every corner will not help. On the violence in Nuh and other areas of Haryana, the instructions given by the Supreme Court to the governments of Haryana, Uttar Pradesh and Delhi including the central government to stop hate speeches and to call for additional security forces if necessary, are in line with the need of the hour. Are. In fact, instructions should be given to all state governments to stop hate speech, because such speech is not limited to any particular state. There is also a need to define inflammatory speech, because if someone declares something as hateful, then someone criticizes it bitterly. interprets as There is also a problem that there is a lot of noise on someone's hate speech, but someone else's similar speech is ignored. This is ignored by political parties, intellectuals, a section of the media and even sometimes by the courts. At times, grossly objectionable and inflammatory speech is disguised as freedom of expression. Don't know how many hate speeches remained like this, in which no action was taken against anyone. In the case of Nuh violence, it cannot be ignored that provocative speeches were made by both the sides. It is clear that strict action should be taken against both the parties without any discrimination. This action should be such that the nefarious elements get the necessary lesson. Whether they are right wing or left wing or any other ideological or religious group. The double standards in dealing with hate speech are only adding to the problem. The attempt to prove that such speeches are given only by people belonging to a particular group or ideology is a mischievous agenda and needs to be exposed. In the case of Nuh's violence, it is also necessary to go to the bottom of the reasons behind it, because such gruesome violence cannot happen without a well-planned conspiracy. Had Nuh not witnessed such horrific violence and large-scale arson, firing and looting, besides targeting the police along with devotees participating in the Jalabhishek Yatra, the violence that followed in other areas could probably have been avoided . Such a message should also go to the society from the Supreme Court that the answer to hatred is hatred and the answer to violence cannot be violence. Everyone has to understand that an atmosphere of peace and harmony is in their own interest and that of the country. If the society is not alert about its moral and civic responsibilities, then even installing CCTV cameras at every corner will not help. This work is not even possible easily in such a big country.

The culmination of audacity, this series of violence challenges the rule of law

There are good reasons to believe that the police and administration could not take the required vigilance for the safety of this Yatra. The lapses of intelligence agencies are also visible. He should have realized that the yatra could be targeted as it was rumored that an absconding man accused of killing suspected cow smugglers could also join the yatra. Every year in Haryana's Nuh, Hindu organizations The fierce attack by the unruly mob of the Muslim community in the Jalabhishek Yatra to be taken out and large-scale arson and looting along with firing, is the culmination of audacity. It is clear from the manner in which the yatra was attacked, that it was done with a well-planned conspiracy and thorough preparation. How dire the situation had become, it can be understood from the fact that hundreds of devotees were trapped in a temple complex for hours. There were also women and children among them. Three companies of security forces had to be airdropped to rescue them. It is clear that the violent mob had turned this area into a kind of war zone. The audacity of the violent mob was shown by the fact that they targeted the police as well. Due to this some people including two Home Guard jawans had to lose their lives. Many police officers and soldiers were also injured. The condition of some of them is serious. The miscreants also targeted a police station and torched dozens of vehicles parked inside and outside it. Since the violence had been extensively prepared, disturbances soon broke out in other areas as well. As a result, while curfew had to be imposed in Nuh, police deployment had to be increased in other areas. It should also be noted that the yatra was proceeding on a fixed route and permission was also taken from the administration. There are good reasons to believe that the police and the administration could not take necessary vigilance for the safety of this yatra. The lapses of intelligence agencies are also visible. He should have realized that the yatra could be targeted, as it was rumored that an absconding man accused of killing suspected cow smugglers might also join the yatra. Even after his absence, the fierce attack on this yatra shows that the miscreants were looking for an excuse to create trouble. This horrific incident of attack on the Jalabhishek Yatra of the devotees reminded of the incidents in which similar yatras were targeted in many parts of the country and even in the country's capital in the past. If the elements involved in these incidents had been taught the right lesson in time, perhaps what happened in Noah could have been avoided. It is not an auspicious sign that now there is no festival in which violence does not take place on some pretext or the other. This series of violence is not only a challenge to the rule of law, it is also going to affect the atmosphere of harmony in the country.

Disturbing fact, the number of missing girls and women is telling that Indian society is tolerant towards them.

After Delhi's Nirbhaya incident, laws related to women's safety were tightened, but can it be said that the situation has improved? There is no significant decrease in crimes against women. They are becoming victims of sex offenders like never before. The cases of molestation, kidnapping and rape are not taking the name of stopping. At a time when everyone is raising concerns about women's safety, it is a disturbing fact that between 2019 and 2021, in just three years, more than 13 lakh girls and women have gone missing across the country. A significant number of girls who go missing are also minor girls. This means that the matter of women's safety is very serious. There is no reason to believe that the situation will improve after 2021, as reports of girls and women going missing or being abducted or abducted remain a regular feature.

Since the data of missing girls and women was compiled by the National Crime Records Bureau and the same was presented in the Parliament recently, there is no justification to doubt it. Women? This is the question, which will have to be answered by the policy-makers as well as the society, because this is not a matter for which only the governments should be made to stand in the dock and the duty is done. Society is also responsible in the case of missing girls and women. He has to look inside himself and ask himself why is this happening? It cannot be ignored that in many parts of the country, the ratio of boys and girls has not yet been balanced, because the process of female feticide continues. This trend continues even after tightening the laws.

Laws related to the safety of women were tightened after Delhi's Nirbhaya incident that shook the nation, but can it be said that the situation has improved? There is no significant decrease in crimes against women. They are becoming victims of sex offenders like never before. The cases of molestation, kidnapping and rape are not taking the name of stopping. The cases of domestic violence are also not decreasing. Only those people of our society are responsible for this situation, who are not able to give up their dirty mentality towards girls and women. As long as the society is not sensitive towards women, no matter how strict the laws are made to protect them and save them from sexual crimes, it is not going to work. The reputation of any society is made by how conscious and sensitive it is towards the respect of women. The large number of missing girls and women only shows that the Indian society is lenient towards them. The political class will also have to come forward and inevitably the society will also have to come forward to remove this indulgence.

फिल्मी अंदाज में 500 रुपये के लिए घर में घुसकर की मारपीट, वीडियो वायरल

मुरादाबाद-रेहान भोजपुर क्षेत्र के गनीनगर के रहने वाले हैं। रेहान के मुताबिक उसने बुधवार सुबह ताजपुर माफी स्थित पंप से कार में 500 रुपये का पेट्रोल लिया था। उसी बीच पंप पर वह व्यक्ति भी आ गया, जिससे उनका महीने भर पहले एक्सीडेंट हुआ था। इसलिए रेहान पंप ऑपरेटर को बिना पैसे दिए ही वहां से हटना उचित समझा। यह पंप पूर्व प्रधान का है। रेहान पंप से निकलते ही तेज रफ्तार में कार चलाई और निकल गया। इसी दौरान पंप पर हल्ला हो गया कि कार सवार पेट्रोल की कीमत दिए बिना भाग गया। वहां मौजूद लोग चार-पांच बाइकों पर सवार होकर से कार का पीछा करने लगे। रेहान भी बाइक सवारों को देख लिया था। विवाद से बचने के लिए रेहान तेज रफ्तार में कार चलाकर महानगर में आकर प्रिंस रोड स्थित अंसार इंटर कालेज के पास हैंडीक्रॉफ्ट के एक्सपोर्टर हिलाल आलम के कारखाना/घर में घुस गए। जहां लोग रेहान को पीटने लगे। तभी एक्सपोर्टर हिलाल आलम और उनके साथ शाफेज आकर बीच-बचाव करने लगे। हमलावरों ने हिलाल व शाफेज के साथ भी मारपीट की। कोई घटना नहीं है। आपस में कहासुनी जरूर हुई है। रेहान पेट्रोल डला लिया और पैसा नहीं दिया था, इसलिए बाइक सवार उनका पीछा किए थे। फिर बातचीत हुई तो पता चला उन लोगों के आपस में करीब 40 साल पुराने संबंध हैं। दोनों पक्ष परिचय के ही थे। किसी के विरुद्ध कोई तहरीर नहीं है। - अमित कुमार तोमर, थानाध्यक्ष-मुगलपुरा

हमलावरों ने फिल्मी अंदाज में कार सवार युवक को घेरकर उसके साथ मारपीट की। बचाव करने वालों को भी धुना। जिसमें तीन लोग घायल हुए हैं। मामला महानगर के मुगलपुरा थाने क्षेत्र में प्रिंस मार्ग पर अंसार इंटर कॉलेज के पास है। कार सवार ने अंसार इंटर कॉलेज के पास हिलाल आलम के घर के पास अपनी कार रोकी। कार से निकलकर रेहान एक घर में घुसकर गेट बंद करने लगा। उसी बीच पांच- छह बाइक पर सवार कार के पास रुके और दौड़कर उसी घर में घुसकर रेहान को खोजने लगे। उधर, घर में घुसे लोग रेहान को पीटने लगे। जबकि, घर के मालिक व उसके एक अन्य साथी भी बीच बचाव में घायल हो गए। विवाद चल ही रहा था कि यूपी डॉयल-112 टीम की पुलिस आ गई। इसके बाद दोनों पक्षों को मुहल्ले वाले मुगलपुरा थाने लेकर गए। मौके की घटना की सीसी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। कैमरे के फुटेज इंटरनेट पर भी वायरल है। पुलिस ने मामले में किसी भी पक्ष के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

मुरादाबाद मंडल के किसानों को मिलेगा चीनी मिल का उपहार

मुरादाबाद- 35,000 किसानों को मिलेगा फायदा, बिजनौर के जहांगीरपुर में शुरू होगी मिल किसानों के लिए खुशखबरी है। क्योंकि मंडल में एक और नई चीनी मिल शुरू होने जा रही है। इससे करीब 35 हजार किसानों को फायदा मिलेगा। मंडल में चीनी मिलों की संख्या बढ़कर 23 हो जाएगी। सितंबर में मिल के ट्रायल की तैयारी की जा रही है। जिससे इसी गन्ना पेराई सत्र में चीनी मिल का आरंभ हो सके। मिल के साथ एक डिस्टलरी भी लग रही है। इसमें इथेनॉल बनाया जाएगा। पश्चिमी यूपी में नकदी फसल गन्ने की पैदावार में इजाफा हुआ है। किसानों का रुझान भी गन्ने की खेती की ओर बढ़ा है। क्योंकि इस फसल में नुकसान कम होता है और एक बार बोया गन्ना दो-तीन साल फसल देता है। गन्ना पेराई के लिए चीनी मिलों का होना भी जरूरी है। हालांकि चीनी मिल के अलावा किसान कोल्हू पर भी गन्ना बेचते हैं। मंडल में 22 चीनी मिल हैं, लेकिन अब बिजनौर जनपद की चांदपुर तहसील के नूरपुर ब्लॉक में जहांगीरपुर जगह पर एक नई चीनी मिल शुरू होने वाली है। इसमें डेढ़ साल से निर्माण चल रहा है। चीनी मिल लगने से युवाओं को रोजगार भी मिलेगा। मिल का अधिकांश कार्य पूरा हो चुका है। मिल अधिकारी ट्रायल की भी तैयारी कर रहे है। मिल की पेराई क्षमता करीब एक लाख हजार प्रति क्विंटल होगी। इस मिल के चालू होने से किसानों को भी फायदा मिलेगा। जिन चीनी मिलों पर किसानों की संख्या ज्यादा है। वहां पर कुछ कम होगी। मंडल में ही बिजनौर जनपद में ही चीनी मिलों की संख्या सबसे ज्यादा है। यहां पर नौ चीनी मिलें हैं और अब एक और लगने से संख्या 10 हो जाएगी। जिला गन्ना अधिकारी बिजनौर प्रभुनारायण ने बताया कि 60 एकड़ में चीनी मिल लगाई जा रही है। इसके साथ एक डिस्टलरी भी लग रही है। उसमें इथेनॉल बनाया जाएगा। इस चीनी मिल को बिंदल पेपर ग्रुप लगवा रहा है। इस मिल की पेराई क्षमता एक लाख प्रति क्विंटल होगी और इस मिल से शुरुआत में करीब 30 से 35 हजार किसानों को लाभ मिलेगा। गन्ना उप आयुक्त हरपाल सिंह ने बताया कि चीनी मिल में निर्माण कार्य चल रहा है। इसी पेराई सत्र में चीनी मिल को चलाने की तैयारी है। 30 सितंबर को मिल का ट्रायल होगा। इसके बाद अक्टूबर से मिल चालू हो जाएगी। इस मिल के लगने से क्षेत्र के किसानों को फायदा मिलेगा।

मृतका के पति ने पुलिस को दी तहरीर, डिप्टी सीएमओ बोले- हमें जांच में आधार बनाने के लिए प्रार्थना पत्र का इंतजार

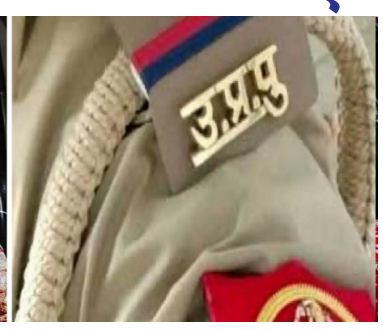

मुरादाबाद- नंदिता मौत प्रकरण में उसके पति ने कटघर पुलिस को तहरीर दी है। जबकि, डिप्टी सीएमओ जांच में आधार बनाने के लिए प्रार्थना का इंतजार कर रहे हैं। केस दर्ज कराने वाला पति गुरुवार को सीएमओ से मिलकर भी शिकायती पत्र सौंपने की तैयारी में है। रविवार को लाजपतनगर के वरदान नर्सिंग होम में भर्ती नंदिता उर्फ शिल्पी की सोमवार शाम मौत हो गई। पोस्टमार्टम में ऑपरेशन में लापरवाही सिद्ध हुई है। प्रसूता की मौत का कारण अधिक रक्तस्राव होना बताया गया है। मामले में नर्सिंग होम के विरुद्ध कार्रवाई के संबंध में डिप्टी सीएमओ डॉ.एसके बेलवाल शिकायत का इंतजार कर रहे हैं। कहते हैं कि कोई प्रार्थना पत्र मिले तो जांच का कुछ आधार बने। उधर, मृतक नंदिता शर्मा के पति आलोक दीक्षित फोन पर बताया कि वह गुरुवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी से आकर मिलेंगे। उन्हें प्रार्थना पत्र देकर पूरे मामले की जांच कराकर मृतक प्रसूता नंदिता को न्याय दिलाने की मांग करेंगे। तहरीर में कहा है कि पत्नी नंदिता उर्फ शिल्पी का वह अल्ट्रासाउंड कराने को 30 जुलाई को वरदान नर्सिंग होम लाया था। अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट दिखाने के बाद नर्सिंग होम की दो महिला डॉक्टरों ने कहा कि नंदिता का सामान्य सुरक्षित प्रसव करा देंगी। उसने उसी दिन नर्सिंग होम में भर्ती करा दिया था। डॉक्टरों ने उसे बताया कि नंदिता की बच्चेदानी में पानी की कमी हो गई है, ऑपरेशन करना पड़ेगा। ऑपरेशन से प्रसव हुआ और नंदिता ने बेटे को जन्म दिया। इसके बाद नंदिता को डॉक्टरों ने जनरल वार्ड में शिफ्ट कर दिया। रविवार रात में उसकी अधिक बिगड़ गई। सोमवार सुबह 10 बजे डॉक्टरों ने नंदिता को देखा लेकिन, कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। दोपहर को उसका फिर अल्ट्रासाउंड हुआ, इस अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट में क्या आया डॉक्टरों ने कुछ नहीं बताया। कुछ समय बाद डॉक्टर व नर्सें नंदिता को दोबारा ओटी ले गई। शाम 5-30 बजे दौरान डॉक्टर ने किसी अन्य अस्पताल में ले जाकर दिखाने की बात कहने लगे। बताया है कि साथी सचिन शर्मा, मधुकांत वशिष्ठ व परिवार के अन्य सदस्यों ने ओटी में जाकर देखा तो नंदिता का शरीर शिथिल और गतिविधि शांत हो गयीं थीं। आरोप है कि डॉक्टरों ने अपनी मर्जी से नंदिता को ओटी से निकाल कर एंबुलेंस में रखवा दिया था।

एपेक्स में भर्ती है नवजात

आलोक दीक्षित ने ये भी बताया कि वरदान नर्सिंग होम में उनकी पत्नी नंदिता के ऑपरेशन से हुई पहली डिलीवरी थी। पत्नी ने बेटे को जन्म दिया था।

वह दिल्ली रोड पर स्थित एपेक्स अस्पताल में भर्ती है। उसकी देखरेख के लिए उनका छोटा भाई विकास दीक्षित अस्पताल जा रहा है। थानाध्यक्ष अवकाश पर हैं। मैं सुबह से ही थाने पर ही हूं, यहां वरदान नर्सिंग होम के विरुद्ध कोई व्यक्ति तहरीर लेकर नहीं आया है। वैसे हमने इस नर्सिंग होम में 31 जुलाई के दिन हुए बवाल के संबंध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी को लिखा-पढ़ी कर रिपोर्ट भेज दी है।- सत्येंद्र सिंह, एसएसआई

क्रांतिकारियों के शौर्य-पराक्रम का गवाह है इमली का पेड़

गलशहीद स्थित कब्रिस्तान में खड़ा इमली का पेड़।

गलशहीद स्थित नवाब मज्जू खां की मजार।

मुरादाबाद- (इंटरनेट) तमाम कब्रों के बीच शहीदे आजम नवाब मज्जू खां की मजार समेटे है शौर्य-पराक्रम, आजादी की जंग के इस हीरो को ब्रिटिश सरकार ने दी थी दर्दनाक मौत गलशहीद कब्रिस्तान में इमली का वह पेड़ आज भी हरा-भरा खड़ा है। 1857 की क्रांति में अंग्रेजों से भारत को आजाद कराने की जो चिंगारी फूटी थी, उसका गवाह यही इमली का पेड़ है। नीचे से खोखला हो गया, पर ऊपर पूरी तरह से हरा-भरा है। इसी पेड़ में आजादी के वीरों को अंग्रेजों ने लटकाकर कत्लेआम किया था। देशवासियों में दहशत फैलाने को नवाब मजीदुद्दीन अहमद मज्जू खां के शव को अंग्रेजों ने हाथियों के पैर से बांधकर शहर की सड़कों पर घसीटा था। गलशहीद के कब्रिस्तान में शहीदे आजम नवाब मज्जू खां की मजार बनी है, जिसे देख आजादी के आंदोलन का अतीत ताजा होने लगता है। शहीद मज्जू खां की पारिवारिक पृष्ठभूमि देखें तो इनके दो बेटे नवाब मोहम्मद वजीरुद्दीन अहमद खां और नवाब मोहम्मद अमीरुद्दीन अहमद खां थे। बड़े बेटे वजीरुद्दीन अहमद खां के एक बेटा मोहम्मद जमीलुद्दीन खां और छोटे बेटे मोहम्मद अमीरुद्दीन अहमद खां के तीन बेटे नवाबजदा सिराजुद्दीन अहमद, मो. हसन खां, नजीरुद्दीन अहमद खां उर्फ कमालुद्दीन थे। इसी तरह मज्जू खां का परिवार बढ़ा और वर्तमान में इनके परिवार में जीवित लोगों की संख्या 28 है। इसमें अधिकांश लोग दिल्ली में बसे हैं।

मजार का सौंदर्यीकरण नहीं

बुधवार दोपहर के दो बजे गलशहीद कब्रिस्तान पहुंचे तो यहां पर हर तरफ कब्रें बनी हैं। आजादी की जंग की कहानी सुनाने वाला इमली का पेड़ भी खड़ा है। कब्र व पेड़ों पर बंदर उछल-कूद कर रहे थे। कब्र की सुगंधित मिट्टी में हरी काई लग गई है। शहीद नवाब मज्जू खां की मजार पर कोई सौंदर्यीकरण नहीं है। यहां कब्रिस्तान के चारों ओर बनी बाउंड्री पर भी शहीदों (गलशहीद) की पहचान वाला कोई अंकन नहीं है। साज-सज्जा, रंग-रोगन, लाइटिंग की बात दूर, यहां फूल-फुलवारी तक नहीं है।

नवाब की बहादुरी देख पीठ दिखाकर भाग गए थे अंग्रेज

सम्राट बहादुर शाह जफर ने 8 जून 1857 को मज्जू खां को मुरादाबाद का हाकिम घोषित किया था। मज्जू खां की बहादुरी से पीठ दिखाकर अंग्रेजी टुकड़ियां नैनीताल भाग गई थीं। मज्जू खां और अन्य आजादी के दीवानों ने जेल तोड़कर साथियों को आजाद कराया था। फिर काफी समय तक मज्जू खां की हुकूमत रही। फिर अंग्रेजों का दोबारा कब्जा होने पर गलशहीद जिगर पार्क के सामने वतनपरस्तों को फांसी दे दी थी। भारतीयों का हौसला तोड़ने को शहीदों के शरीर को इमली के पेड़ (अब गलशहीद कब्रिस्तान) पर लटका दिया था। 25 अप्रैल 1858 का दिन था, जब मज्जू खां को अंग्रेजों ने गोली से उड़ा दिया था। अंग्रेजी हुकूमत का खौफ भरने के लिए मज्जू खां के शव को चूने में डाला गया और हाथी के पांव में बांधकर मुरादाबाद की सड़कों पर घसीटा गया। फिर उनके शव को गलशहीद कब्रिस्तान में अंग्रेजों ने लावारिस तरीके से डाल दिया था।

पूर्व पार्षद ने नगर आयुक्त से की है सौंदर्यीकरण की मांग

पूर्व पार्षद सुहेल खां ने बताया कि नवाब मज्जू खां की मजार का सौंदर्यीकरण व गलशहीद चौराहा का फाउंटेन बनाने के संबंध में उन्होंने 19 जुलाई को नगर आयुक्त को मांग पत्र दिया है। इसमें थाना गलशहीद की पुलिया निर्माण, जिगर पार्क का सुंदरीकरण कराने की भी मांग उन्होंने कर रखी है लेकिन, अभी तक कोई कार्य प्रारंभ नहीं हो सका है।

परिवार को अभी तक नहीं पड़ी सरकारी सेवा की जरूरत

नवाब मज्जू खां के परिवार की पांचवीं पीढ़ी के प्रपौत्र अदनान और उनके बड़े भाई अब्दुल रहमान, मां व बहन दिल्ली में ओखला जामिया में रहते हैं। अदनान ने बताया कि वह कंस्ट्रक्शन का काम करते हैं।

मुरादाबाद आना बहुत कम हो पाता है। वैसे जब मुरादाबाद आते हैं तो दीवान का बाजार में बहेरिया में अपने घर रुकते हैं। अदनान ने बताया कि वह और उनका परिवार स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का उत्तराधिकारी है लेकिन, उन्हें अभी तक सरकारी सेवा की जरूरत नहीं पड़ी। लेकिन, हां दादा की मजार के सुंदरीकरण के लिए उन्होंने थोड़ा-बहुत कार्य कराया है। यहां के सौंदर्यीकरण के लिए 26 जनवरी को उन्होंने डीएम से जरूर मांग की थी। लेकिन, अभी मौके पर कुछ नहीं हुआ है। अदनान ने बताया कि चार दिन पहले फिर डीएम शैलेंद्र कुमार सिंह से मिलने का समय मांगा है तो अब उन्हें मुरादाबाद आना है।

मुरादाबाद में लगेगा दो दिन दिव्य दरबार, हनुमान कथा में लेंगे भाग, आयोजन की तैयारी शुरू

मुरादाबाद- मुरादाबाद में पहली बार बागेश्वर बाबा धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का दरबार लगेगा। आयोजन के लिए सेक्टर छह के सामने पंडाल समेत अन्य चीजों को तैयार करवाया जा रहा है। आयोजकों ने इसको लेकर प्रशासन से मुलाकात की है। बाबा बागेश्वर धाम महाराज दस से 12 अक्तूबर तक मुरादाबाद में रहेंगे। उनके द्वारा महायज्ञ में पूर्ण आहुति और दिव्य दरबार और हनुमंत कथा की जाएगी। इसके लिए श्रीराम बालाजी धाम बाबा नीब करौरी आश्रम ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस संबंध में उन्होंने जिला प्रशासन के अधिकारियों से मुलाकात की है। अध्यक्ष अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम की जानकारी देने के लिए एडीएम सिटी ज्योति सिंह से मुलाकात की है। आठ, नौ और दस अक्तूबर को श्रीराम बालाजी धाम बाबा नीब करौरी आश्रम गांव उमरी सब्जीपुर पाकबड़ा में हवन किया जाएगा। इसके बाद दस अक्तूबर को धीरेंद्र शास्त्री बागेश्वर धाम सरकार द्वारा पूर्ण आहूति दी जाएगी। 11 और 12 अक्तूबर को उनका दिव्य दरबार लगेगा। कार्यक्रम के लिए बाबा बागेश्वर धाम की सहमति मिल गई है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

गोचर/चारागाह की भूमि को 15 दिवस के अंदर कराएं खाली- डीएम

क्यूँ न लिखूँ सच
अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती - जिलाधिकारी कृतिका शर्मा की अध्यक्षता में गोचर/चरागाह की भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराये जाने तथा निराश्रित गोवंश हेतु हरा चारा उगाए जाने के सम्बन्ध में सम्बन्धित अधिकारियों के साथ बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। उन्होने निर्देश दिया कि अभियान चलाकर गोचर/चारागाहों की भूमि का चिन्हांकर करें, इस दौरान यदि अतिक्रमण पाया जाता है तो उन्हें 15 दिवस के अन्दर अतिक्रमण से मुक्त कराया जाए और प्रत्येक दशा में 15 दिवस के अन्दर की गई कार्यवाही की रिपोर्ट भी प्रेषित की जाए, ताकि उन चारागाहों में हरे चारे की बुआई कराकर जिले के गौशालाओं में आवासित गोवंशों को हरे चारे की मुकम्मल व्यवस्था बनाई जा सके। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जिले के गो-आश्रय स्थलों में संरक्षित गोवंशों लिए गोचर/चारागाह की भूमि पर बहुवर्षीय फसलों, नैपियर घास, सहजन, सूबबूल तथा मक्खन घास आदि का रोपण कर उत्पादन किया जाए। इसके अलावा आवश्यकतानुसार पशुओं के पीने के लिए नलकूप व चरही आदि का निर्माण किया जाए। जिससे गोवंश के लिए हरे चारे एवं पेयजल की कोई दिक्कत न होने पाये। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि मनरेगा एवं पशुपालन विभाग द्वारा आपस में समन्वय स्थापित कर पशुओं के प्रयोग हेतु तालाब की खुदाई, वृक्षारोपण आदि का कार्य कराया जाए।उन्होने यह भी निर्देश दिया कि गोचर/चारागाहों की भूमि को निकटस्थ गो आश्रय स्थलों के साथ टैग किया जाए। जिससे उपलब्ध कम्पोस्ट खाद/गोबर खाद का उपयोग भूमि को उपजाऊ बनाने में किया जा सके तथा आसानी से सम्बन्धित गो आश्रय स्थलों में हरे चारे की आपूर्ति पूरी हो सके।

हरियाणा हिंसा पर बजरंग दल नें पुतला फूंक दोषियों पर की कार्यवाही की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच
श्याम जी कश्यप

फर्रुखाबाद - हरियाणा के मेवात में मंदिरों पर जाते हुए श्रद्धालुओं पर जानलेवा हमले के विरोध में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में शहर के चौक पर एकत्र होकर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए हिंदू धार्मिक यात्रा पर हुए जिहादी क्रूरता के विरोध में जिहाद का पुतला फूंका। आक्रोश प्रदर्शन में जिला संयोजक बजरंग दल अभिषेक बाथम ने कहा कि श्रावण में प्रतिवर्ष किसी भी सोमवार पर मेवात के अंदर भगवान शंकर का आशीर्वाद लेने के लिए महाभारत कालीन पांच मंदिरों में श्रद्धालु जाते हैं। लगभग 20-25 हजार श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे हुए थे। अभी यात्रा शुरू हुए 15 मिनट भी नहीं हुए कि उन पर उपद्रवियों ने गोलियां और पत्थर बरसाने तथा आगजनी शुरू कर दी। मंदिर के सामने से भी दंगाई आ गये। कारों, बसों और अन्य वाहनों को आग लगानी और जो सामने दिखा उन पर गोलियां बरसाई गई। जिलाध्यक्ष मुकेश बाथम ने आरोप लगाया कि इस घटना के जिम्मेदार वे लोग हैं जो इन दंगाइयों को भड़काते हैं। उनके भड़काने के कारण दंगे होते हैं और हमले होते हैं।

बजरंग दल ने की आर्थिक मदद की मांग

इस दौरान एकत्र कार्यकर्ताओं ने हिंदू धार्मिक यात्रा पर हुए क्रूर हमले और इस्लामिक जिहादी क्रूरता के विरुद्ध धरना प्रदर्शन कर इस्लामिक जिहाद का पुतला जलाया। इसके साथ ही मांग की कि इस हमले में बजरंग दल के दो कार्यकर्ताओं की हत्या हुई है और समाज के दो अन्य व्यक्ति भी बलिदान हुए हैं। उन सबके परिवारों को एक एक करोड़ रुपया दिया जाए।
बजरंग दल ने मांग करी कि जो घायल हुए हैं उनको 20 लाख रुपया तथा जिनकी गाड़ियां और बसें नष्ट हो गई हैं,
उनको पूरी तरह क्षति पूर्ति की जाए। इसकी जिम्मेदारी सरकार को लेनी चाहिए। पूरे मेवात को सील करके कांबिंग कराई जाए और एक-एक जिहादी को पकड़कर सख्त से सख्त सजा दिलवाई जाए। प्रदर्शन में ये लोग रहे मौजूद प्रदर्शन करने वालों में प्रमुख रूप से अनुज श्रीवास्तव, सचिन राजपूत, आकाश राजपूत, श्रवण दुबे, बबलू दुबे आदि रहे

विज्ञान एवं प्राधोगिकी विभाग भारत सरकार के सहयोग से कार्यक्रम का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती - आरोही चेरिटेबल ट्रस्ट बस्ती द्वारा चौधरी रामबिहारी बुद्ध इंटर कॉलेज कटरा श्रावस्ती में आयोजित जिला स्तरीय 3 दिवसीय विज्ञान मेला समापन एवं पुरुस्कार वितरण कार्यक्रम में पहुंच प्रदर्शनी का अवलोकन कर बच्चों का उत्साहवर्धन किया मौजूद क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों , बच्चों एवं अभिभावकों को संबोधित कर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को सम्मानित करते हुए पूर्व सांसद अध्यक्ष जिला पंचायत श्रावस्ती दद्दन मिश्रा , प्रधानाचार्य राजेश कुमार यादव संस्था के निदेशक भानु प्रकाश मिश्रा, प्रधान अभय तिवारी ईशु खरगूपुर , प्रधान खरगौरा बस्ती जय प्रकाश यादव , जिला मंत्री पहलाद प्रतिनिधि विनय तिवारी ठाकुर , प्रधान चक्रभण्डार , प्रधान कटरा छांगुर प्रसाद , प्रधान तिलकपुर यशवंत सोनू , प्रधान शिवपुर बनकट मो0 आरिफ , प्रधान परशुरामपुर रमेश कुमार , प्रधान चैनपुर सक्कचिदानंद यादव , प्रधान जोगिया कला कक्कन यादव , प्रधान गुलहरिया फुल्लर निषाद , प्रधान आमरेभरिया राजेन्द्र प्रसाद , प्रधान कल्याणपुर विद्याप्रकाश, प्रधान मिश्रौलिया इस्तियाक अहमद जी सहित सैकड़ों बच्चें अभिभावक गण एवं विद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारी मौजूद रहे !

गीता की हत्या के मामले में तीसरे दिन पति की गिरफ्तारी गोली मारने वाला तमंचा बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच
हारुन बख्श

फर्रुखाबाद - जनपद फर्रुखाबाद थाना मऊदरवाजा पुलिस ने ग्राम गुतासी में गीता की गोली मारकर हत्या किए जाने के मामले में उसके पति अरुण गंगवार को गिरफ्तार कर लिया है मालूम हो कि 30 वर्षीय श्रीमती गीता का गांव के बाहर खेत में लहूलुहान मिला था थाना मऊदरवाजा पुलिस की कार्रवाई पर विश्वास करें तो पुलिस ने अरुण को आज सुबह 10.13 बजे सीपी इंटरनेशनल कॉलेज मोड़ ग्राम गुतासी के पास से गिरफ्तार किया है पुलिस ने अरुण की निशा देही पर हत्या में प्रयोग किया गया 315 बोर का तमंचा व दो कारतूस एवं दोनों खोखे चाचा सीमेंद्र के खेत की मेड के किनारे पड़ी लकड़ियों से बरामद किया है थाना पुलिस द्वारा मीडिया को उपलब्ध कराई गई हत्या की वजह भी काफी दिलचस्प धनारी गई अरुण का कहना है कि मुझे पत्नी गीता के चाल चलन व चरित्र पर शक था जिसको लेकर मेरी उससे आए दिन लड़ाई होती थी वह किसी न किसी बहाने से घर के बाहर जाती थी मेरे मना करने पर भी नहीं मानती थी मुझे संदेह था कि उसके कई लोगों के साथ अवैध संबंध है 31 जुलाई को मेरी पत्नी रात करीब 2 बजे घर में शौचालय होने के बावजूद अकेले शौच करने के बहाने जंगल में गई थी मैं भी पीछे.पीछे उसे देखने के लिए गया था कुछ दूरी पर खड़े होकर मैं देखने लगा मुझे ऐसा लगा कि वह किसी से बात कर रही है मैं चुपके से झाड़ियों के पीछे से गया और पत्नी गीता की पीठ में गोली मार दी वह वहीं पर गिर गई फिर मैंने दूसरी गोली उसकी खोपड़ी में मारी मरा समझकर मैं वहां से भाग गया और अपने चाचा सीमेंद्र के खेत के पास लकड़ियों में तमंचा व कारतूस छिपाकर घर जाकर चुपचाप लेट गया। मैंने सुबह 5 बजे पत्नी को ढूंढने का नाटक किया था कि मेरी पत्नी की किसी ने हत्या कर दी है मालूम हो की पुलिस ने एक अगस्त को अरुण के साथ ही उसके युवा पुत्र आर्यन को गांव से थाने ले गई थी पुलिस ने दूसरे दिन अरुण के घर की तलाशी ली थी तलाशी में ही पुलिस को हत्या में प्रयोग किया गया तमंचा कारतूस मिल गये थे ग्रामीणों के मुताबिक अरुण के घर से बरामद सामान को पुलिस कई पोटली में ले गई थी पुलिस को गीता के रक्त रंजित कपड़े टूटी चूड़ियां आदि सामान भी मिला था ग्रामीणों के मुताबिक अरुण का अपनी भाभी से अवैध संबंध थे गीता अवैध संबंधों का विरोध करती थी इसीलिए गीता अरुण की आंखों में खटक रही थी गीता की हत्या में अरुण के परिजनों का भी हाथ है पुलिस ने खेल कर पूरा केस अरुण पर ला दिया है घटना के बाद पुलिस का कहना था गीता की कई हत्या कर शव डाला गया है युवक ने फांसी लगाई थाना मऊदरवाजा के ग्राम पचपुखरा निवासी विश्वनाथ शाक्य के 20 वर्षीय नशेड़ी पुत्र सुधांशु ने बीती रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली परिजन कमलेश शाक्य ने सुबह सुधांशु के बंद गेट में धक्का मारा तो दरवाजा खुल गया सुधांशु का शव पंखे से रस्सी के सहारे लटक रहा था सुधांशु के पिता बड़े बेटे हिमांशु के साथ लुधियाना में रहते हैं यहां सुधांशु अकेले रहकर मजदूरी करके गुजारा करता था पड़ोसियों ने शव का पोस्टमार्टम न कराए जाने को कहा चौकी इंचार्ज ने पंचनामा भर शव परिजनों को सौंप दिया

जुगेन्द्र सिंह यादव की ढाई करोड की संपित्त ढोल नगाड़ों के साथ कुर्क

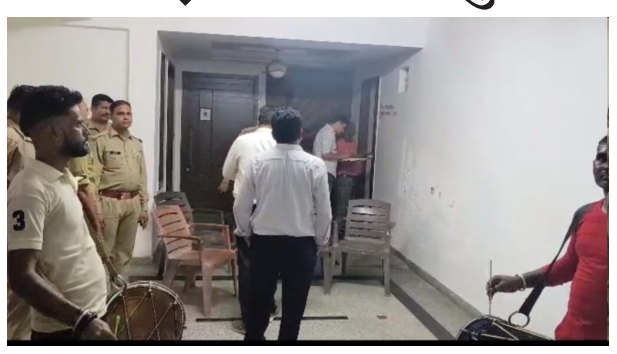

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-अखिलेश यादव के करीबी रिश्तेदार जुगेन्द्र सिंह यादव की ढाई करोड की संपित्त ढोल नगाड़ों के साथ कुर्क आगरा के थाना हरी पर्वत थाना क्षेत्र अंतर्गत एटा के सपा नेता जुगेन्द्र सिंह यादव की ढाई करोड की संपत्ति कुर्क की प्रशासन ने मुनादी कराकर सपा नेता जुगेन्द्र सिंह यादव पर 86 मुकद्दमा दर्ज हैं, गैंगस्टर मामले में एटा जेल में बंद हैं, आगरा के पाँश इलाके में नालंदा पिराईड रेजिडेंसी में स्थिति फ्लैट नंबर 101 जुगेन्द्र सिंह यादव की पत्नी रेखा यादव जिला पंचायत अध्यक्ष एटा के नाम दर्ज है जिसकों पुलिस ने ढोल नगाड़ों के साथ फ्लैट को कुर्क कर लिया है, ढोल नगाडों के साथ पुलिस ने संपित्त कुर्क की पूर्व सीएम अखिलेश यादव के बेहद करीबी रिश्तेदार पर कसा शिकंजा

मानक विहीन से हो रहा आर सी सी सेन्टर निमार्ण

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती - श्रावस्ती विकास खंड जमुनहा के ग्राम पंचायत वीरपुर लौकिहा के मजरा लौकिहा में आर आर सी सेंटर मे मानको कि अनदेखी ठेकेदार सरकारी धन का दुरपयोग करने मे लगा है। न्यू के नीचे बिना गिट्टी मौरंग सीमेंट कुटाई किये बगैर दोयम दर्जे के इट नदी रेत नाम मात्र मसाले से प्रयोग किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना और। पुरानी बुढ़ी राप्ती नदी के करार पर बन रहा है आर आर सी सेंटर आपने आप ही धरासाही हो जायेगा। मानक विहीन निर्माण किया जा रहा है। इसकी शिकायत ग्रामीणों ने खंड विकास अधिकारी जमुनहा एस पी सिंह से किया। जबकि खंड विकास अधिकारी जमुनहा सरयू प्रसाद सिंह से बात करने पर बताया बन रहे आर आर सी सेंटर को तत्काल जाँच कर कार्यवाही किया जायेगा।

सशस्त्र सीमा बल व पुलिस ने किया संयुक्त गस्त

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती एफ समवाय सोनपथरी व यू. पी. पुलिस के साथ संयुक्त गश्त किया गया जिसमें एस एस बी की तरफ से मुख्य आरक्षी सामान्य नरेंद्र प्रताप सिंह आरक्षी सामान्य राठौर कृष्णा विलास, आरक्षी सामान्य तन्मय राय आरक्षी महिला जोफी. जे, दलवीर कौर,पूजा पुलिस की तरफ से आरक्षी वैद प्रकाश मिश्रा, अमर नाथ यादव शामिल थे, सीमा स्तम्भ संख्या 618/2से,619 तक संयुक्त गश्त किया

ताबतोड़ गोलियां चलने से थर्राया गांव

क्यूँ न लिखूँ सच
श्याम जी कश्यप

फर्रुखाबाद -फर्रुखाबाद ताबतोड़ गोलियां चलने से थर्राया गांवपुराने विवाद में हुई ताबड़तोड़ फायरिंग दबंगों ने पुराने विवाद में ताबड़तोड़ फायरिंग कर दहलाया गांव दबंगों की फायरिंग से लगभग आठ लोग घायल 3 को लगी गोली, चारा लेकर घर जा रही किशोरी को भी लगी गोली दबंगों ने 2 दिन पूर्व भी की थी मारपीट दबंगों ने मारपीट कर ताबड़तोड़ फायरिंग की घटना थर्राया गांव सभी घायलों को सीएचसी में कराया भर्ती हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल लोहिया किया रेफर थाना शमशाबाद क्षेत्र के बरई गांव का मामला

पानी को लेकर हुए विवाद में दबंग जेठ ने महिला के पेट में लात मार दी

क्यूँ न लिखूँ सच
हारून बख्श

फर्रुखाबाद -फर्रुखाबाद कायमगंज पानी को लेकर हुए विवाद में दबंग जेठ ने महिला के पेट में लात मार दी ,जिससे महिला की हालत नाजुक बनी हुई है ।गंभीर अवस्था में महिला को सीएचसी कायमगंज में भर्ती कराया गया है । जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे रेफर कर दिया गया ।प्राप्त जानकारी के अनुसार कस्बा व कोतवाली कायमगंज के मोहल्ला बजरिया रामलाल निवासी आलोक का उसके बड़े भाई अमन से पानी को लेकर कुछ विवाद हो गया ।जिसके बाद मारपीट हो गई दोनों भाई आपस में भिड़ गए।बीच-बचाव करने पहुंची आलोक की 6 माह की गर्भवती पत्नी गोल्डी को जेठ अमन ने पेट में लात मार दी । जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई आनन-फानन उसे सीएचसी कायमगंज में भर्ती कराया गया ।जहां से प्राथमिक उपचार देकर उसे डॉक्टर द्वारा राम मनोहर लोहिया अस्पताल फर्रुखाबाद रेफर कर दिया गया है वही अमन भी गंभीर रूप से घायल हो गया कायमगंज सीएचसी में उसका भी उपचार जारी है वहीं घटना के संबंध में पुलिस को भी सूचित किया गया है। जानकारी देते हुए क्राइम इंस्पेक्टर संतोष अवस्थी ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में नहीं है । जैसे ही तहरीर मिलती है, तत्काल मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी ।

प्रदेश अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी विष्णु दत्त शर्मा जी का एक दिवसीय रीवा प्रवास पर

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रदीप कुमार तिवारी

मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम जी के यहां प्रदेश अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी का भव्य स्वागत कार्यकर्ताओं में उल्लास रीवा भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा जी का रीवा आगमन पर कार्यकर्ताओं पर खुशी की लहर मध्य प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम जी के निवास पर पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष जहां पर कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर फूल और बुके से स्वागत किया वहीं पूर्व मंत्री एवं रीवा विधायक राजेश शुक्ला एवं चुरहट विधायक शरदेंदु तिवारी रीवा जिला अध्यक्ष एवं रीवा संभाग के कार्यकर्ता एवं विधायक विधानसभा अध्यक्ष के निवास पर मौजूद रहे चुरहट विधायक शरदेंदु तिवारी जी ने बताया कि 2023 में भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत से जीतेगी इस भाव को मन में लेकर कार्यकर्ताओं को लेकर काफी उत्साह है बूथ तक के कार्यकर्ताओं मजबूती से लगे हुए हैं प्रदेश अध्यक्ष जी का विंध्य क्षेत्र में हर कार्यकर्ताओं से संपर्क रहा है महामंत्री के नाते भी और पहले अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का कार्यकर्ता के नाते भी उनका यहां के कार्यकर्ताओं से संबंध रहा है प्रदेश अध्यक्ष जी ने जो आज रीवा आकर उर्जा भरी है उसका असर कार्यकर्ताओं में दिख रहा है इसके बाद जवा सिरमौर विधानसभा में सम्मिलित होंगे फिर रीवा से भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे

बच्ची को बंदकर चले गए मास्साब

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-दोपहर में प्राथमिक विद्यालय की छुट्टी होने के बाद मास्साब बच्ची को क्लास में छोड़कर चले गए। कुछ देर बाद बच्ची ने अपने आप को अकेला देख रोने लगी। स्कूल के अंदर बच्चे के रोने की आवाज सुन राहगीरों ने गेट का ताला तोड़कर बच्ची को बाहर निकाला। ब्लॉक अलीगंज क्षेत्र के गांव सराय अगहत प्राथमिक विद्यालय द्वितीय में कक्षा एक में राधिका पुत्री ओमपाल पढ़ती है। सोमवार को छुट्टी के समय राधिका विद्यालय में सो गई। बच्चों के जाने के बाद शिक्षकों ने बिना देखे ही विद्यालय बंद कर दिया। कुछ देर बाद राधिका जागी तो अपने आप को अकेला देख तो वो रोने लगी। विद्यालय में बच्चे की रोने की आवाज सुन एक राहगीर ने देखा गांव के लोगों ने ईंट से क्लास रुम का ताला तोड़कर उसे बाहर निकालाया गया। बच्ची को नाम पूछने के बाद परिजनों को सूचना दी गई। क्लास में बच्ची के बंद होने की खबर सुन परिवार के लोग भी पहुंच गए। बच्ची के अंदर बंद होने तथा ताला तोड़कर बाहर निकालने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। एबीएसए अलीगंज सुरेंद्र कुमार अहिरवार ने बताया कि मामले की जांच करके उसकी रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेज दी गई है। वहीं बीएसए दिनेश कुमार ने कहा कि बच्ची के क्लास के अंदर बंद करने वाला मामला हमारे संज्ञान में नहीं है। इस मामले में कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

फेसबुक पर मोहब्बत हुई तो घर छोड़कर प्रेमी के घर पहुंची प्रेमिका

क्यूँ न लिखूँ सच- निशाकांत शर्मा

एटा-एटा/मैनपुरी। फेसबुक पर चैटिंग कर रहे युवक और युवती के बीच प्रेम संबंध बने तो दोनों के बीच शादी की बात चलने लगी। युवती अपने परिजनों को बिन बताए प्रेमी के गांव लहरा आ गई। मामले की जानकारी हुई तो पुलिस को अवगत कराया गया। एटा पुलिस भी गांव पहुंची लेकिन प्रेमी युगल नहीं मिले। पुलिस प्रेमी के पिता को अपने साथ ले गई है। मामला जनपद एटा के थाना नयागांव क्षेत्र से जुड़े एक गांव का है। यहां की रहने वाली युवती बिछवां थाना क्षेत्र के ग्राम लहरा निवासी शिवम पुत्र अरविंद उर्फ पप्पू सविता से फेसबुक पर चैटिंग करने लगी। बात बढ़ी तो एक-दूसरे से शादी की बात शुरू हो गई। प्रेमिका अपना घर छोड़कर प्रेमी के घर लहरा आ गई। उधर, युवती के परिजनों ने थानेजाकर उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई। बाद में पता चला कि युवती लहरा में है तो परिजन पुलिस के साथ लहरा गांव आ गए लेकिन इससे पहले ही दोनों प्रेमी युगल भाग निकले। प्रेमिका के परिजनों ने पुलिस में दर्ज कराई शिकायत एटा पुलिस प्रेमी के घर पहुंची तो दोनों हो गए गायब पुलिस कर रही तलाश, प्रेमी का पिता हिरासत में पिता को अपने साथ ले गई एटा पुलिस बिछवां। पुलिस ने युवक के पिता से बात की और पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई है। युवती और युवक के मोबाइल भी स्विच ऑफ आ रहे हैं। उनकी इस हरकत से दो परिवार परेशान हैं लेकिन फेसबुक पर शुरू हुई इस मोहब्बत की कहानी इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है। बिछवां थाना प्रभारी कपिल वशिष्ठ का कहना है कि मामले की जानकारी है, लेकिन उन्हें तहरीर नहीं मिली है।

जेठ ने तमंचे के बल पर किया दुराचार

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- थाना क्षेत्र के एक गांव में जेठ द्वारा घर में घुसकर दुराचार करने का मामला प्रकाश में आया है। आरोप है कि चीखपुकार सुनकर पहुंचे अन्य ससुरालीजनों को घटना की जानकारी दी गई तो उन्होंने भी विवाहिता से मारपीट की। मामले में पीड़िता की तहरीर पर कोर्ट के आदेश पर थाना पुलिस ने जेठ समेत सभी ससुरालीजनों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। कोर्ट के आदेश पर दर्ज हुई रिपोर्ट में एक विवाहिता ने बताया कि उसका पति नोएडा में काम करता है। वह ससुराल में अपने बच्चों के साथ रहती है। उसके देवर व जेठ उस पर गलत निगाह रखते हैं।

आरोप है कि गत तीन मई की रात वह अपने बच्चों के साथ घर में थी। इसी दौरान उसका जेठ हंसराज घुस गया और अंदर से कमरा बंद कर तमंचे के बल पर धमकाते हुए उससे दुराचार किया। चीखपुकार पर ससुराल के अन्य लोगों को आता देख आरोपी धमकी देकर भाग गया। उसने मौके पर पहुंचे देवर देवेंद्र, जेठानी प्रेमलता, सतीश, मुकेश को अपने साथ हुई घटना की जानकारी दी तो सभी उत्तेजित हो गए। उसके साथ मारपीट कर दी। आसपास के लोगों को आता देख सभी आरोपी धमकी देकर चले गए। उसने मामले में कार्रवाई के लिए थाने में शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। अब कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है।

अतिक्रमण करने वाले अतिक्रमणकारियों पर हुई कारवाही

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- नाला पर कब्जा कर अतिक्रमण करने वाले अतिक्रमणकारियों पर अतिक्रमण प्रभारी ने कोतवाली नगर में मामला दर्ज कराया है। इस कार्रवाई से अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मचा हुआ है। नगर पुलिस मामले की जांच करेगी। कोतवाली नगर में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए नगर पालिका परिषद में तैनात अतिक्रमण प्रभारी बालकपूर ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि अलीगंज रोड पर नर्सरी के सामने से लेकर नेहरूनगर तक पालिका का नाला है। इस पर अतिक्रमणकारियों ने कब्जा कर निर्माण कार्य करा लिया है। नाले पर कब्जा करने से जल निकासी को लेकर भी दिक्कत हो रही थी। नाले पर कब्जा होने के कारण पानी की निकासी नहीं हो पाती थी, जिसके कारण कम बारिश में भी शहर में जलभराव होता जाता है। अतिक्रमण के कारण यह दिक्कत हो रही है। बता दें कि मंगलवार को अधिशासी अधिकारी के नेतृत्व में पालिका ने अतिक्रमण हटवाया था। नाला के ऊपर बने दस नालों को तुड़वाया गया। आगे भी कार्रवाई जारी रह सकती है। अतिक्रमण हटवाने से पहले नोटिस भी दिए गए थे। अतिक्रमण नहीं हटवाया था।

इनके विरूद्ध दर्ज कराई गई है रिपोर्ट

राजेश गौड अलीगंज रोड नर्सरी पुलिया के सामने, सनी यादव तिलक नगर, चंदन, प्रीतम, शिवराम निवासी नगला भज, सूरतराम, दिनेश चन्द्र, विशाल, राजीव, विनोद, प्रदीप, अनीता निवासी नामालूम, सुनील निवासी नगला भज, महाराज सिंह, किरन देवी, सुखवीर, सुभाष, ओमप्रकाश, रमेश चन्द्र, मानपाल, वीरी सिंह निवासी नामालूम, सुभाष निवासी नेहरूनगर, रामसनेही निवासी नामालूम, सुषमा, ओमप्रकाश, चन्द्रपाल, अमर सिंह निवासी नेहरूनगर, पिंटू निवासी नामालूम, गंगाराम, बलवीर सिंह, तेज सिंह, संतोष निवासी नेहरूनगर कोतवाली नगर के विरूद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

नोनिहालों के भविष्य से खिलबाड़ प्रावि नगला मोर्ची में बच्चों से लगवाई जा रही झाड़ू

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- जनपद में ब्लॉक शीतलपुर विकासखण्ड स्थिति नगला मोर्ची प्राथमिक विद्यालय में प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों द्वारा नोनिहालों द्वारा झाड़ू लगबाई जारही हैं । टाट पट्टियों की साफ सफाई भी करायी जा रही हैं। सरकारी स्कूलों में कमजोर एवं मजदूर वर्ग के बच्चों को मजबूर होना पड़ता हैं। क्योंकि उनके पास प्राइबेट स्कूलों में पढ़ाने के लिये भारी भरकम फीस चुकानी पड़ती हैं। जिसका बोझ बच्चों के परिजन वहन नहीं कर सकते हैं। इसलिये उन्हें मजबूरी में सरकारी स्कूलों में पड़ना पड़ता हैं। मजदूरों एवं कमजोर वर्ग के बच्चों के साथ शिक्षकों द्वारा बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करना निन्दनीय कृत्य हैं। शिक्षकों को उन्हें पढ़ाने के स्थान पर उनसे कार्य कराया जा रहा हैं। जो कानूनन अपराध हैं । जिला विधालय निरीक्षक द्वारा ऐसे शिक्षकों एवं प्रधानाचार्य के खिलाफ कार्यवाही करनी चाहिए। जहाँ अधिकारी ही सो रहे हों वहां इन हालातों को रोकेगा कौन। वहीं सुवे के मुखिया योगी आदित्यनाथ आमजन सभाओं में कहते नहीं थकते कि शिक्षा के छेत्र में आ रहा है।

आंगनबाड़ी केन्द्र पर राशन न मिलने पर महिलाओं का हंगामा

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम अगोनापुर पर राशन मिलने पर महिलाओं ने हंगामा किया। केन्द्र पर दो दिन से लगातार पंजीकृत महिलाएं एवं बच्चों के अभिभावक प्रदर्शन कर रहे हैं। उसके बाद भी उनको राशन देने की पहल नहीं हो सकी है। ग्राम अगोनापुर प्राथमिक विद्यालय में आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं। दो माह में एक माह का ही राशन वितरण किया जाता है। बाकी राशन में बंदरबांट हो जाता है। इसमें विभागीय अधिकारी भी संलिप्त रहते हैं। आंगनबाड़ी कार्यकत्री शशि ने दो माह राशन का उठान किया। पात्रों को एक माह का ही राशन वितरण किया। इससे महिलाओं में आक्रोश पनप गया। उन्होंने केंद्र के बाहर हंगामा शुरू कर दिया। सूचना पर आंगनबाड़ी कार्यकत्री मौके पर पहुंची। महिलाओं को आश्वासन देकर शांत कराया। विरोध करने वाली महिलाओं में शमा, मीना, सबीना, शहनाज, रानी, शकुंतला, रूबी सहित दो दर्जन से अधिक महिलाओं का कहना है दो माह के राशन में सिर्फ एक माह का राशन मिला है। राशन न मिलने की शिकायत कईबार मुख्यमंत्री पोर्टल पर की गई।मेरे सामने कई बार राशन न मिलने की शिकायत आई। आंगनबाड़ी किसी भी जिम्मेदार व्यक्ति के सामने राशन न वितरण कर स्वयं करती है। कितना करती है वह जानती होगी।-अरविन्द कुमार शाक्य, प्रधान, अगोनापुर, अलीगंज (एटा) मुझे जो भी राशन मिला। उसको वितरण करवा दिया है। मेरे पास 20 गर्भवती महिलाएं, सात धात्री, 3 से 6 वर्ष 62 और अन्य 79 पात्र लोग पंजीकृत है। महिलाएं राशन को लेकर हंगामा करती है।-शशि, आंगनबाड़ी कार्यकत्री, अगोनापुर, अलीगंज (एटा) मामला मेरे संज्ञान में आया है मैने जांच के लिए भेजा है। राशन कम दिया या नहीं दिया जाँच होगी। -सुखरानी, सुपरवाइजर,

खेत पर काम कर रही महिला की सर्पदंश से मौत

क्यूँ न लिखूँ सच-योगेश मुदगल

एटा- मारहरा के गांव खकरई के खेत में काम कर रही थी महिला खेत पर काम कर रही महिला को सर्प ने काट लिया। स्वजन उपचार के लिये उन्हें जिला अस्पताल ले गये। जहां चिकित्सकों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। मारहरा थानाक्षेत्र के गांव खकरई निवासी जलदेवी (40 वर्ष) पत्नी स्व0 रुमसिंह लोधी गुरुवार की दोपहर 2 बजे लगभग अपने खेत में काम कर रहीं थीं। तभी उनके पांव में सर्प ने काट लिया। जिससे वह अचेत हो गईं। खेत पर ही मौजूद अन्य स्वजन उपचार के लिये जिला चिकित्सालय ले गये। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। महिला की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। एसओ सत्यपालसिंह ने बताया कि स्वजन द्वारा घटना की सूचना दी गई है। तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जा रही है।

झौलाछाप क्लीनिकों के विरूद्ध स्वास्थ्य विभाग सक्रिय , दो को थमाया नोटिस

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- गुरूवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. उमेश कुमार त्रिपाठी के निर्देशन में डिप्टी सीएमओ (झौलाछाप) डा. सर्वेश कुमार व प्रधान सहायक ठा. पुष्पेन्द्र चौहान के द्वारा शहर के कासगंज रोड पर अचानक छापामार कार्यवाही के दौरान हैलिक्स क्लीनिक व सहावर रोड पर शिवओम क्लीनिक को चैकिगं कर नोटिस तामील कराऐ गऐ है ! बताया जाता है कि इसमें से एक क्लीनिक ने ऑन लाइन पंजीकरण आवेदन कर बिना पंजीयन के ही क्लीनिक का संचालन प्रारम्भ कर दिया था ! डिप्टी सीएमओ ने कहा है जनपद में बिना पंजीकरण वाले क्लीनिकों व नर्सिगं होम के खिलाफ शासन की नीति के अन्तर्गत कार्यवाही जारी रहेगी !

सुपर जोइनिंग वीक
उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब का तेजी से बढता आपका अपना
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच & KNLS Live
आवश्यकता है भारत के सभी राज्यों से
रिपोर्टर,विज्ञापन प्रतिनिधि की
12 पेज का फुल अखबार
एक बार कॉल अवश्य करें
9027776991
प्रसारित क्षेत्र - उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब बाकि राज्यों से जल्द प्रसारित

परेशानी:सोलर पंप खराब, हाईस्कूल के बच्चे और ग्रामीण स्वच्छ पेयजल हेतु परेशान सुध लेने वाला कोई नहीं

क्यूँ न लिखूँ सच
रामचंद्र जायसवाल

सूरजपुर-प्रतापपुर / विकास खंड प्रतापपुर के दूरस्थ वनांचल ग्राम पंचायत रमकोला के हाईस्कूल के पास व खास पारा में लगा सोलर पंप खराब हो गया है। इससे यहां पेयजल समस्या पैदा हो गई है। दोनों पारा के करीब 120 परिवार पेयजल समस्या से जूझ रहे हैं। वही हाईस्कूल में अध्ययनरत सैकड़ों बच्चे शुद्ध पेयजल के लिए तरस रहे है स्थानीय लोग गांव से करीब 500 मीटर दूर झिरिया से पीने का पानी जुटाने को मजबूर हैं। ग्राम पंचायत रमकोला के सरपंच बताते हैं कि पेयजल के लिए 5 साल पहले गांव में सोलर पंप लगा था। पुराना होने के कारण सोलर पैनल खराब हो चुके हैं। पंप से पानी नहीं निकल रहा है, जिसके चलते लोग गांव से करीब 500 मीटर दूर नदी किनारे झिरिया

खोदकर पीने का पानी जुटा रहे हैं। यह समस्या पिछले 3-4 महीने से बनी हुई है। कमोबेश यही स्थिति रमकोला क्षेत्र के कई गाँव का है । वहां भी सोलर पंप बंद पड़ा हुआ है। गांवों में लगे सोलर पंपों के मेंटेनेंस की जिम्मेदारी क्रेडा विभाग की है। भारी बारिश से वनांचल क्षेत्र में पेयजल की बहू बहुत दिक्कत हो रही है स्वच्छ पेयजल नहीं मिलने से इन क्षेत्रों में मौसमी बीमारी का भी कहर आ सकता है समय रहते गांवों में लगे सोलर पंपों में सुधार जरुरी है, अन्यथा समस्या गंभीर हो जाएगी। लेकिन बंद पड़े सोलर पंपों का सुधार करने में क्रेडा विभाग रुचि नहीं ले रहा है। मेंटेनेंस कराना तो दूर, इसकी मॉनिटरिंग भी सही तरीके से नहीं हो पा रही है समस्या बड़ी निराकरण किया जाएगा जगत लाल आयाम इस संबंध में जनपद पंचायत प्रतापपुर के अध्यक्ष जगत लाल आयाम ने कहा की बारिश के मौसम में क्षेत्र के ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल देने की जिम्मेदारी लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग और क्रेडा विभाग की संयुक्त रूप से है लेकिन इस कारण से यह सोलर पंप बिगड़े हुए हैं आपके माध्यम से संज्ञान में आया है तत्काल क्रेडा विभाग के अधिकारियों से संपर्क कर सोलर पंप सही कराया जाएगा

बीपीएम रीपा में स्वामित्व की भावना से करें काय...'जिपं सीईओ

क्यूँ न लिखूँ सच
रामचंद्र जायसवाल

सूरजपुर- जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री लीना कोसम ने जिला पंचायत सभाकक्ष में जनपद सीईओ, जनपद पीओ, एसबीएम बीसी, सीसी, पीएमवाय ब्लॉक टीम तथा बीपीएम की समीक्षा बैठक ली। बैठक में जिला सीईओ ने एसबीएम अन्तर्गत स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत व्यक्तिगत कम्पोस्ट पिट, नाडे, वर्मी 6280, व्यक्ति सोक पिट, लीच पिट 2980 मनरेगा से स्वीकृति हेतु निर्देशित। सामुदायिक डस्टबिन 3140 15 वां वित्त से खरीदी हेतु। स्वच्छ भारत मिशन और 15 वां वित्त अभिसरण से स्वीकृत सामुदायिक सोक पिट 1490 और सामुदायिक नाडेप 1600, समय सीमा में पूर्ण किये जाने निर्देशित किया। व्यक्तिगत शौचालय लक्ष्य 3000 में से स्वीकृत 1261 को जल्द पूर्ण करने एवं 1739 शेष लक्ष्य 1 सप्ताह में स्वीकृति हेतु प्रस्ताव भेजने कहा। प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन हेतु 3 ग्राम पंचायतों में जल्द कार्य प्रारम्भ किये जाने तथा वर्ष 2023-24 के स्वीकृत 86 ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र जल्द पूर्ण करने निर्देशित करते हुए समस्त शेष कार्य का मूल्यांकन पूर्ण कर पूर्णता प्रमाण पत्र जमा करने निर्देश दिये। उन्होंने किये गये कार्यों को प्राथमिकता के साथ ऑनलाइन एन्ट्री करने कहा। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत सीईओ द्वारा समीक्षा करते हुए कहा गया कि वर्तमान में आवास योजना शासन की प्राथमिकता में है। जिले में 12322 आवास पूर्णता के लिए लंबित है। जिसमें से जितनों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय किस्त प्राप्त है, उनका जल्द अगले स्तर का टैगिंग करते हुए, आवास पूर्ण किया जाना है। सीईओ ने जनपदवार आवास पूर्णता हेतु द्वारा 02 अक्टूबर 2023 तक के लिए लक्ष्य दिया गया है जिसमें भैयाथान को 976, ओड़गी 904, प्रतापपुर 73, प्रेमनगर 692, रामानुजनगर 802 और सूरजपुर 808 है। इस प्रकार कुल 4255 आवास पूर्ण किया जाना है। वर्तमान में राज्य का आवास पूर्णता का औसत 74 प्रतिशत है जबकि जिले का केवल 67 प्रतिशत है। सभी को विशेष ध्यान देने हेतु निर्देशित किया गया है। जिला पंचायत सीईओ ने गौठानों में अधूरे कार्य को पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि रीपा मुख्यमंत्री जी की महत्वाकांक्षी योजना में से एक है। इस योजना की मॉनिटरिंग मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव हर 15 दिवस में करते है। गौठानों में रीपा के जितने वर्किंग शेड बने हैं जिले का हर रीपा केन्द्र साफ-सुथरा और स्वच्छ दिखना चाहिए। यह समस्त जनपद सीईओ की जिम्मेदारी है।इसके साथ ही बीपीएम रीपा के कार्यों स्वामित्व की भावना से करें। जिससे रीपा में उत्पादन क्षमता बढ़ाकर लोगों को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराकर उनकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया जा सके। रीपा के सभी गौठानों में व्यक्तिगत गतिविधियों से जोड़कर महिला एवं पुरूष का अनुपात 50-50 कर, उत्पादन बढ़ाते हुए विक्रय के लिए मार्केट लिंकेज करने के निर्देश दिये। रीपा में उत्पादित गोबर पेंट को शासकीय भवनों के अलावा सामान्य बाजार में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। एनआरएलएम अन्तर्गत महिला स्व सहायता समूह की प्रगति समीक्षा कर शत् प्रतिशत परिवारों को विशेषकर पीएमवाय हितग्राहियों के परिवारों को 15 अगस्त तक शत् प्रतिशत जोड़ने कहा। उन्होंने प्रोजेक्ट उन्नती के हितग्राहियों को ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के माध्यम से प्रशिक्षण कराये जाने हेतु निर्देशित दिये। इस दौरान जनपद सीईओ राजेश सिंह सेंगर, रनवीर साय, विनोद, पारस पैकरा, जनपद पीओ, एसबीएम बीसी, सीसी, पीएमवाय ब्लॉक टीम तथा बीपीएम सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

जबरन गाड़ी में पैठा लादकर लेजाने के आरोप में दो के खिलाफ रिपोर्ट

क्यूँ न लिखूँ सच
लवकुश ठाकुर

अकराबाद- कोतवाली क्षेत्र के गांव दभी निवासी एक किसान के खेत से कुछ शातिर दिमाग लोग एक मैटाडोर में यह कहकर कि कौड़ियागंज में कांटे पर तुलवाकर पैठे का पेमेंट कर देगें फरार हो गए। मामले में पीड़ित ने दो लोगों के खिलाफ रिपोर्ट कराई है। गांव दभी निवासी रनवीर सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है
कि अपने खेत में रखा पैठा एक व्यक्ति को बेचा था। जिसे मैटाडोर में लादकर उसने कहा कि कौड़ियागंज धर्म कांटे पर चलो वहां वजन तुलवाने के बाद पेमेंट कर देगें। पैठे का वजन 16 कुंतल 40 किलो बना जब उसने पैसे देने के लिए कहा तो वह उसे चकमा देकर गाड़ी भगाकर ले गए। इस संबंध में एसओ अवधेश कुमार ने बताया है कि आरोपित जीतू यादव व वीनेश कुमार निवासी अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

बंद भट्टे में दो युवकों को बांधकर बेल्टों से पीटने का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुआ,थाने में नहीं हुई सुनवाई पीड़ित की

क्यूँ न लिखूँ सच-लवकुश ठाकुर

हरदुआगंज- कस्बा थाना क्षेत्र के साधुआश्रम के निकट एक बंद भट्टे में दो युवकों को बांधकर बेल्टों से पीटने का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुआ। घटना एक माह पहले की बताई गई है। मामले में 26 जुलाई को वीडियो सहित थाने में तहरीर देने के बाद भी पुलिस ने अभी तक रिपोर्ट दर्ज नहीं की है। बड़ागांव उखलाना निवासी पीड़ित युवक भवानी प्रसाद पुत्र हरिओम ने बताया कि 30 जून को वह गांव के ही पिंटू चौहान के साथ निकट के साधुआश्रम चौराहे पर इंतजार कर रहे खुर्द खेड़ा के प्रतुल पंडित को आईटीआई में दाखिला की फीस देने जा रहा था। साधुआश्रम के निकट भट्टे के पास पहुंचे वहां पहले से खड़े गोविंद देव पुत्र पवनवीर व जितेन्द्र पुत्र नेत्रपाल दोनों को जबरन भट्टे में खींच ले गए और रुपये छीनने लगे। विरोध करने पर दोनों को बांधकर बेल्टों से पीटा और आठ हजार रुपये लेकर भाग गए। आरोपितों में गोविंद पुलिस कर्मी का बेटा बताया गया है। भवानी प्रसाद ने बताया कि घटना के वक्त तहरीर लेकर थाने आए तो पुलिस ने फटकारकर भगा दिया। 27 दिन बाद आरोपितों ने ही वीडियो वायरल करने पर पुन: 27 जुलाई को घटना की तहरीर दी गई मगर थाने में सुनवाई नहीं की गई।

16 अगस्त 2023 तक ऋणी अऋणी बटाईदार एवं वन पट्टाधारी कृषक करा सकते है फसल बीमा

क्यूँ न लिखूँ सच-रामचंद्र जायसवाल

सूरजपुर- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत खरीफ फसलों के लिए बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई नियत की गई थी। इसे बढ़ाकर 16 अगस्त तक कर दी गई है। इसके लिए राज्य शासन के द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई है। जिले के लिए खरीफ मौसम में धान सिचिंत धान असिचिंत, मक्का, उड़द, मूंग, मूंगफली, तुअर (अरहर), रागी कोदो एवं कुटकी फसल को अधिसूचित किया गया है। धान एवं मक्का फसल के लिए ग्राम को इकाई क्षेत्र लिया गया है,
तथा उड़द, मूंग, मूंगफली, तुअर (अरहर), रागी कोदो एवं कुटकी फसल के लिए राजस्व निरीक्षक मण्डल क्षेत्र को इकाई माना गया है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ ऋणी, अऋणी भू-धारक कृषक, बटईदार व वनपट्टाधारी कृषक ले सकते है। इस वर्ष जिला सूरजपुर में फसल बीमा के लिए बीमा कंपनी एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इण्डिया लिमिटेड को अनुबंध किया गया है।
कलेक्टर के द्वारा सभी कृषकों को फसल बीमा का लाभ लेने के लिए अपील की गई है। बीमांकित राशि का जिले में अधिसूचित फसलों के लिए कृषक प्रीमियम राशि 2 प्रतिशत है। धान सिंचित के लिए 352 रु. प्रति एकड़, धान असिंचित के लिए 280 रु. प्रति एकड़, मक्का के लिए 256 रु. प्रति एकड़, अरहर के लिए 224 रू. प्रति एकड़, रागी के लिए 88 रु. प्रति एकड़, उड़द के लिए 160 रु. प्रति एकड़, मूंग के लिए 180 रू. प्रति एकड़, मूंगफली के लिए 320 रू प्रति एकड़, कोदो के लिए 120 रु. प्रति एकड़ एवं कुटकी के लिए 128 रु. प्रति एकड़ प्रीमियम राशि जमा करता होगा। प्रदीप कुमार एक्का उप संचालक कृषि ने बताया कि फसल बीमा के लिए किसान अपने क्षेत्र के ग्रामीण कृषि क्षेत्र विस्तार अधिकारी, पटवारी, आदिम जाति सेवा सहकारी समिति एवं विकास खण्ड में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी से सम्पर्क कर सकते है। अऋणी किसान आवश्यक दस्तावेज आधार कार्ड, बैंक पासबुक, बी-1, पी-2 (खसरा) फसल विवरण एवं फसल बुवाई प्रमाण पत्र विवरण के साथ संबंधित बैंक में फसल बीमा करा सकते हैं। बीमा से आपदा की स्थिति में फसल सुरक्षा का बेहतर विकल्प होता है। खरीफ फसल के लिए फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 16 अगस्त 2023 तक है।

www.knlslive.com

जिला आबकारी अधिकारी ने नवाटोला बार्डर का किया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच
रामचंद्र जायसवाल

सूरजपुर- आगामी विधानसभा चुनाव छत्तीसगढ़ के परिप्रेक्ष्य में चुनाव आयोग द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में तथा आबकारी आयुक्त छत्तीसगढ़ द्वारा 21 जून 2023 को जिला आबकारी अधिकारियों के मंत्रणां में दिये गये निर्देशों के अनुपालन में सीमावर्ती जिलो में आबकारी विभाग द्वारा संचालित जांच चौकी एवं नाकों में अधिक सतर्कता एवं सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए थे। निर्देश के परिपालन में आज जिला सुरजपुर में मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले से लगे नवाटोला में संचालित अंतर्राज्यीय आबकारी जांच चौकी एवं नाका का निरीक्षण श्री आई बी सिंह मार्कण्डेय जिला आबकारी अधिकारी द्वारा किया गया। नवाटोला जांच चौकी में सभी दिशाओं के आवागमन पर व्यवस्थित निगरानी रखने हेतु आवश्यकतानुसार सीसी टी.व्ही. कैमरे चालू स्थिति में मिली। पंजियो का निरीक्षण किया गया तथा जांच नाके से जाने वाले सभी वाहनों की जांच कर उनका पूरा विवरण नोट करने निर्देशित किया गया। जांच नाके में एक प्रभारी अधिकारी दो आरक्षक तथा क्रमश: दो दो के समूह में कुल छ: सुरक्षा गार्ड का ड्यूटी लगाये गये है। चुनाव आयोग द्वारा 14 नवम्बर 2013 से 13 जुलाई 2023 को दिये गये निर्देशों पर भी जांच चौकी पर कार्यरत कर्मचारियों को वाहन जांच संबंधित निर्देशों को विस्तृत रूप से समझाया गया। निरीक्षण में जांच नाका प्रभारी आबकारी उपनिरीक्षक मुकेश पाण्डेय, आबकारी मुख्य आरक्षक भरत सिंह एवं गार्ड देवीदयाल व राहुल गुप्ता उपस्थित रहे।

वनकर्मियों को दिया गया सांप पकड़ने का प्रशिक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच
रामचंद्र जायसवाल

सूरजपुर- जिला वन मंडल कार्यालय में स्नेक रेस्क्यू करने प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।
प्रशिक्षण नोवा नेचर के अध्यक्ष एवं उनके दल के द्वारा दिया गया। प्रशिक्षकों द्वारा सांप की विभिन्न प्रजातियों के बारे में पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से जानकारी दी गई तथा भारत में पाए जाने वाले जहरीले सांपों से बचने एवं उसका रेस्क्यू करने के संबंध में विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। वनमण्डलाधिकारी संजय यादव ने बताया कि एक तरफ सांपों के सफल रेस्क्यू से इंसानो की जान बचायी जा सकती है तो दूसरी तरफ दुर्लभ प्रजाति के सांपों की रक्षा भी की जा सकती है। यदि कहीं पर सांप का रेस्क्यू किया जाना हो, तो वन विभाग के कर्मचारियों से संपर्क किया जा सकता है। प्रशिक्षण में वनमण्डलाधिकारी, उप वनमंडलाधिकारी, परिक्षेत्राधिकारी, क्षेत्रीय वन कर्मचारी एवं स्थानीय व्यक्ति उपस्थित रहे।

हिस्ट्रीशीटर भोलू की हत्या का मुख्य आरोपी दीवानी से दबोचा

क्यूँ न लिखूँ सच-लवकुश ठाकुर

अकराबाद- गभाना क्षेत्र में रविवार रात जवां के सजायाफ्ता हिस्ट्रीशीटर सुनील उर्फ भोलू ठाकुर की हत्या का मुख्य आरोपी होटल संचालक पंकज को गिरफ्तार कर लिया गया। वह न्यायालय में समर्पण करने दीवानी परिसर पहुंचा था। थाने में पुलिस उससे देर रात तक पूछताछ करती रही। पूछताछ में उसने अन्य आरोपियों के नाम उजागर कर दिए हैं। इन सभी को पंकज ने आनन-फानन बुलाया था। अब पुलिस की टीमें फरार आरोपियों की तलाश में जुट गई हैं। रविवार रात जवां के भोजपुर गढ़िया के सुनील उर्फ भोलू ठाकुर की उस समय हत्या कर दी गई थी, जब वह अपने दोस्त के सेंट्रल जेल कैफे के उद्घाटन में शामिल होकर लौट रहा था। देर रात वापसी के समय हुए झगड़े के बाद उसी परिसर में होटल संचालक पंकज व चंद्रवीर निवासी ग्वालरा गभाना व अन्य साथियों पर पीछा कर कन्होई कट के पास गोली मारकर हत्या का आरोप लगा। उसी रात चंद्रवीर को गिरफ्तार कर लिया गया था। नामजद पंकज को पुलिस तलाश रही थी। हालांकि उसकी लोकेशन इगलास, मथुरा आदि जगहों पर मिली। मगर उसकी ओर से अधिवक्ता ने न्यायालय में समर्पण अर्जी दायर कर दी थी, जिस पर बुधवार की तारीख नियत थी। पुलिस को उम्मीद कम थी कि वह इतनी घेराबंदी के बीच समर्पण करने आएगा। वह दोपहर में दीवानी पहुंच गया। इसी बीच पुलिस को खबर लग गई और उसे दबोच लिया गया। इस दौरान पुलिस समर्पण करा रहे अधिवक्ता को गिरफ्तारी के लिए मनाने में मुश्किल हुई। इस दौरान अन्य अधिवक्ताओं का सहयोग लेना पड़ा। करीब आधा घंटे के प्रयास के बाद पुलिस उसे यहां से पकड़कर ले जाने में सफल हुई। पूछताछ में पंकज ने अपने अन्य साथियों के नाम उजागर किए हैं। वे सभी लोधा व आसपास क्षेत्र के बताए जा रहे हैं। घटना के कारणों व अन्य पहलुओं को पुलिस देर रात पूछताछ में उजागर करने में लगी थी। साथ ही गिरफ्तारी टीमों ने अन्य आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। इधर, पुलिस पूछताछ में यह सवाल जरूर जुड़ा हुआ है कि कहीं इसके पीछे कोई और तो नहीं। मगर अभी तक उजागर हुआ है कि पंकज अगर उसे न मारता तो आने वाले समय में भोलू उसे दिक्कत दे सकता था। एसएसपी कलानिधि नैथानी ने गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि उसे पूछताछ के बाद जेल भेजा जाएगा।

रविवार रात हत्या, सोमवार को दी समर्पण अर्जी

पुलिस पंकज की तलाश में घटना के बाद से लगी थी। पंकज के अधिवक्ता ने सोमवार को ही अर्जी दायर कर दी थी। मंगलवार को पुलिस से रिपोर्ट तलब की गई और बुधवार की तारीख नियत की गई तो पुलिस को लगा कि इतनी जल्दी समर्पण संभव नहीं है। वह पुलिस के डर से काफी दूर निकल गया होगा। मगर वह जिले में आसपास ही छिपा रहा और समर्पण करने पहुंच गया। दूसरे खेमे के लोग भी नजर रखे थे। जैसे ही पंकज के आने की खबर लगी और तत्काल पुलिस पहुंच गई।

Continuous work from home can weaken your bones, know its side effects

Since the Corona period, the culture of work from home is becoming increasingly popular all over the world. Especially in India, it has become very popular in the past. Even at present, many offices and companies are working on work from home or hybrid model. However,

working from home continuously can have a bad effect on your health. Work from home culture is in trend since the Corona period. Even today, many people are doing their office work from home. - However, due to continuous work from home, your health is greatly affected. Since the Corona epidemic, there have been many changes in our lifestyle. Along with personal life, due to this epidemic, there have been many changes in the professional life of people. Since the Corona epidemic, the culture of work from home had become very popular all over the world, especially in India. Even today, many offices and companies are working on work from home or hybrid model. However, due to continuous work from home, there are many disadvantages to our health, ignoring which can be harmful to our health. . Due to working from home, people keep sitting in one place for many hours continuously, which can lead to problems related to bone, muscles and joints. If you are also one of those people, who are continuously doing work from home, then today we will tell you about some of the disadvantages caused by it - Lack of physical activity - Due to working from home, people sit at desk or Sitting on the couch often leads to lack of physical activity. Thus, lack of physical activity can lead to various health problems including weak bones. Lack of Sunlight- Due to working from home, people stay indoors for long hours. In such a situation, they are unable to come in contact with sunlight, which is important for the production of vitamin D. In such a situation, bone health is affected by the lack of vitamin D. Poor ergonomics- Some people do not have a proper office setup to work from home, due to which they sit in bad and wrong positions. This puts pressure on the bones and muscles. Spine is affected – wrong sitting position, especially when sitting in a chair, sitting in wrong position can have a bad effect on the spine and can increase the pressure on the intervertebral discs. Over time, this can lead to back pain and other spinal problems. Decreased bone density – Due to working from home for a long time, there is a decrease in physical activity. In this case, bone density may decrease and the risk of osteoporosis may increase.

'Sugarcane juice' works as a tonic for jaundice patients, know the countless benefits of drinking it

Sugarcane Juice Benefits Sugarcane juice is included in the list of the freshest drinks. People like to drink this drink especially in the summer season. It is rich in iron calcium vitamin-C and antioxidant properties. It fulfills the lack of blood in the body and it also has many great benefits. So let us know the innumerable benefits of sugarcane juice. Sugarcane juice is one of the best remedies for jaundice. Sugarcane juice acts as a tonic to overcome digestive problems. This juice removes anemia in the body. Sugarcane juice is considered a healthy drink. It is a very tasty juice to quench thirst in summer. It removes the lack of water in the body. By which you can avoid the problem of dehydration. Apart from this, sugarcane juice gives us many health benefits. Sugarcane juice is rich in carbohydrates, proteins, vitamins and minerals like zinc, phosphorus, potassium and calcium. This nutrient-rich sugarcane juice is very beneficial for your health. So let's know about the benefits of sugarcane juice. Acts as an energy booster If you want to keep your body hydrated, then drinking sugarcane juice can give you instant energy. It improves your fatigue and mood in a very short time. Drinking this keeps you fresh and energetic. Sugarcane juice helps to hydrate the body and reduce fatigue. This juice is rich in carbohydrates and proteins. Helpful in Jaundice- According to Ayurveda, sugarcane is one of the best remedies for jaundice. It helps in making your liver strong. Sugarcane juice contains various antioxidants, which protect the liver from getting infected. It helps in keeping the level of bilirubin under control. Jaundice occurs when the body breaks down proteins heavily and increases the bilirubin in your blood. Sugarcane juice helps in replenishing the lost protein intake faster. Improve digestion- Sugarcane juice acts as a tonic for digestive problems. It is high in potassium, which works to balance the pH level in the stomach. Sugarcane juice facilitates the secretion of digestive juices and keeps the system in good shape. Sugarcane contains a good amount of fiber, which cleanses your digestive system. It relieves you from the problem of constipation. Beneficial for pregnant women- Sugarcane juice is very beneficial for pregnant women. If you are going to be a mother, then you must include it in your diet. It contains folic acid or vitamin-B9, which is beneficial for health. Apart from this, according to research, sugarcane juice reduces ovulating problems in women, which increases the chances of pregnancy. Treat anemia- Sugarcane and its juice are more beneficial for people suffering from anemia. It contains a lot of iron, which increases the hemoglobin level of the body. People who have anemia problem, must drink sugarcane juice. This will remove the lack of blood in the body.

Mother's milk is most important for the mental development of the child, interesting information revealed in the study

Taking care of proper nutrition is considered very important for the overall development of the child. Studies have shown that breast milk is best suited to meet the needs of all the nutrients required by the body for the newborn. The first thick yellow milk after delivery is like nectar for the health of the child. Researchers say, for both physical and mental development of the child, it is necessary to ensure that he is breastfed in sufficient quantity. World Breastfeeding Week is celebrated every year from August 1 to 7 with the aim of promoting and promoting the benefits of breastfeeding. Experts say that daily breastfeeding should be ensured for the newborn till six months of birth. Researchers have found that micronutrients present in the brain development of Baby Health - Tufts understand the effects of Which found that breastfeeding during the risk of brain problems regularly breastfed had function than children who development - Proceedings of (PNAS) In the published inositol, a micronutrient early months of developing brain. It helps in between neurons in the brain. benefit in reducing the risk of What the scientists say - the Neuroscience and Aging "The brain in early infancy, depends on. As a how micronutrients have such Bieder. It is also amazing how which makes it conceivable

breast milk have a positive effect on newborns. Breastfeeding Effects on University researchers set out to breastfeeding on a child's health. micronutrients obtained from childhood may be helpful in reducing with aging. Children who were higher intellectual development and were not breastfed. Benefits for brain the National Academy of Sciences study, experts concluded that myo- present in breast milk during the breastfeeding, supports the improving synapses or connections As a result, there may be a specific neurological problems in the future. Thomas Biederer, senior scientist in team and author of the study, says, especially on dietary characteristics." neuroscientist, it's interesting to me a profound effect on the brain, says complex and rich breast milk is, that breast milk is very important to a baby to support the various stages of brain development in the baby. This research indicates that in situations where breastfeeding is not possible, myo-inositol should be given to infants, says Beider. However, what its effects are externally is yet to be understood. Every child should be fed mother's milk as a protective measure. After birth the mother should be told about this benefit. Note: This article has been prepared on the basis of information collected from medical reports.

Trailer of 'Oh My God' 2 released, Shiva's messenger will help fight Pankaj Tripathi's case

Summary Akshay Kumar is once again coming among his fans with Oh My God-2. The audience was waiting for a long time for the trailer of Akshay Kumar's Oh My God-2, which messed up with Gadar 2. Now the wait of the fans is over because finally the trailer of Akshay

Kumar's most awaited film OMG 2 has been released by the makers. Akshay Kumar and Pankaj Tripathi starrer film 'Oh My God 2' will soon hit the theaters. Ever since the first poster of the film came out, fans were eagerly waiting to see it in the theatres. It is a sequel to the Paresh Rawal starrer film released in the year 2012. On Tuesday, the makers announced the trailer release of the film. Now finally the trailer of Akshay Kumar and Pankaj Tripathi starrer social drama 'Oh My God-2' has come in front of the audience. In which an important issue has been brought to the world in a straightforward and simple manner. OMG 2 takes up the issue of adult education Akshay Kumar, who played Kanha in Paresh Rawal's court and helped him in Oh My God, will now be seen as Shiva's messenger to save Pankaj Tripathi from suffering. The trailer begins with Shiva's figure telling his dearest Nandi that a great calamity is about to befall his devotee and that he should take one of the Shiv Gana who can help him. After this the story begins, where the accused Pankaj Tripathi is seen fighting his own case in the court. They have a simple family, but an incident with their son at school changes their lives. Pankaj Tripathi's child commits suicide due to fear of slander, after which Pankaj Tripathi himself fights the case by becoming a lawyer to prove his son right in the eyes of the world and also pleads to get his son out of darkness. . This is how Akshay Kumar will help Pankaj Tripathi by becoming the messenger of Shiva - In OMG 2, apart from Akshay Kumar and Pankaj Tripathi, Yami Gautam is also seen in an important role. However, she is fighting a case against Pankaj Tripathi, a devotee of Lord Bholenath. His character is very powerful in the trailer. However, Akshay Kumar's character as Shiva's messenger is not shown much in the trailer. He has only one dialogue in the trailer. His character is still kept as a surprise. 'Oh My God-2', directed by Amit Rai and made under the banner of Viacom-18, is releasing in theaters on August 11. On the occasion of Independence Day, Akshay Kumar's film will clash with Sunny Deol's 'Gadar 2' at the box office.

Rani Mukherjee will sizzle in the 14th Indian Film Festival, will organize a master class

The nominations for the 14th edition of the Indian Film Festival of Melbourne (IFFM) were announced last month. It is the biggest Indian film festival to be held outside India. The USP of this year's ceremony is the inclusion of 82-year-old Oscar-winning Australian film director Bruce Beresford on the jury. At the same time, the name of Bollywood actress Rani Mukherjee has also surfaced. According to media reports, Bollywood actress Rani Mukherjee will host a masterclass at the Film Festival of Melbourne. The festival is scheduled to take place on August 10 at the prestigious Immigration Museum in Melbourne. Sharing her joy of being a part of the festival, Rani Mukerji said, 'I am honored to be invited to the 14th Indian Film Festival of Melbourne. As an actor, I have been fortunate enough to receive incredible love from people in Australia and I look forward to sharing my journey in Indian cinema through a master class that I have been invited to conduct Is'. So on the other hand, the Indian Film Festival of Melbourne will be organized from August 11 to August 20, 2023.

Dilip Kumar's luxurious bungalow to be demolished, 11-storey luxury residential project to be built

Hindi cinema's veteran actor Dilip Kumar is known for his excellent films and strong performances. He had proved his strong acting in films like Mughal-e-Azam, Devdas, Kranti. Meanwhile, there is news that the late actor's Mumbai bungalow Pali Hill will soon be

demolished and converted into a residential project. His plot has been bought by realty developer Usher Group. According to a media outlet report, the developer will come up with an 11-storey luxury residential project at the site, which will have a museum dedicated to the late actor. It is being said that this museum will be dedicated to the life journey of Dilip Kumar. At the same time, it has not been revealed yet that in how many crores the deal of the actor's bungalow has been done. But earlier in several media reports, the cost of his bungalow was reportedly stated to be around Rs 350 crore. Dilip Saheb's bungalow is spread over an acre of land. At the same time, it has been said in the media reports that the construction of this residential project will be 1.75 lakh square feet. Along with this, its construction work has started. And as per RERA registration the delivery is scheduled in 2027. Speaking to a media outlet, Ashar Group CMD Ajay Ashar said, "We will be able to complete it in the next two years." Dilip Kumar's wife Saira Banu had filed a defamation case against another developer. , After which this plot has been in headlines for the last several years. He had alleged that the developer was trying to grab the land by forging documents. In this case Ashar Developers have stated that the legal dispute has been resolved with agreed terms. Dilip Kumar was one of the most successful actors of Indian cinema. The veteran actor bought the Pali Hill bungalow in 1953 after being successful in his career and lived there for 50 years. After this, he died in the year 2021 at the age of 98.

Alia-Ranveer's film takes the lead amid falling business, steps towards 100 crores

Rocky Aur Rani Kii Prem Kahaani Box Office Collection Day 6 is a family drama film based on the love story of Rocky and Rani. RRKPK depicts the love story of a Bengali girl and a Punjabi boy, between whom enemies become family. The film stars Ranveer Singh and Alia Bhatt in the lead roles. Along with this, the film also stars Dharmendra, Shabana Azmi and Jaya Bachchan. Alia Bhatt and Ranveer Singh's film Rocky and Rani's love story opened well at the box office. After doing great business on the weekend, the collection of the film is now continuously falling. However, RARKPK is still holding the lead. Rocky Aur Rani Ki Prem Kahani released on 28th July and has now completed 6 days at the box office. The film entered the 50 crore club in four days of its release, but in recent times the collection has been showing a steady decline. How has RARKPK opened? - However, despite having work days, Rocky and Rani's love The story did not let the business rate fall much. Looking at the 6-day collection of the film, the film opened with 11.10 crores on the opening day. How was the business on the opening weekend? - Rocky Aur Rani Ki Prem Kahani followed by 16.05 crores on the second day showing a growth of 45%. Earn it. At the same time, on Sunday i.e. on the third day, the film collected a collection of 18.75 crores. With this, RARKPK earned 45.90 crores in the opening weekend. How did the film do business for the entire week? - Rocky and Rani's love story took a slight hit in the Monday test. The film earned 7.02 crores on the fourth day. At the same time, the collection on the fifth day was 7.30 crores. Now talking about the business of the film on the 6th day i.e. Wednesday, according to the report of Sacnilk, RARKPK's earnings declined again. How many crores earned on the 6th day? - According to the initial figures, the film collected 6.90 crores at the domestic box office on 2 August Did business of With this, the love story of Rocky and Rani has now collected a net collection of 67.12 crores at the domestic box office.